

वर्ष : 13 | अंक : 94 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 6 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ACCREDITED PARTNER IAGES

MCJ®

MANIK CHAND®
JEWELLERS
THE ORIGINAL SINCE 1964
MCJ KRISHAN SONI GROUP

शुभ धनतेरस

FLAT
40% OFF
ON MAKING CHARGES OF
DIAMOND/PLATINUM
ORNAMENTS

FLAT
30% OFF
ON MAKING CHARGES OF
GOLD ORNAMENTS

T&C APPLY

ON EVERY PURCHASE OF PLATINUM, DIAMOND AND GOLD ORNAMENTS
WORTH ₹2,00,000/- ONE GOLD COIN (22K) ABSOLUTELY FREE**

मानकः पथप्रदर्शकः

Offer valid from 1ST TO 8TH NOVEMBER, 2026

G.S. ROAD, CHRISTIAN BASTI
Beside Sony Center, Guwahati-781005
9678068944

SHOPPERS POINT, FANCY BAZAR
1st Floor, H. B. Road, Guwahati-781001
9678068914

K. C. ROAD, FANCY BAZAR
Guwahati-781001
9678068905

TIMES SQUARE MALL, ZOO ROAD
Ground Floor, Guwahati-781005
9678068936

COURTYARD BY MARRIOTT, SHILLONG
Police Bazar, Shillong -793001
9678068930

IMPERIAL MALL, CLUB ROAD, SILCHAR
Silchar -788001
9678068943

**FREE GOLD COIN OFFERS OF 0.200GM (22K) VALID ONLY FOR DHANTERAS (06-11-2026) TILL STOCK AVAILABLE & VALID ON VALUE OF SINGLE INVOICE & NO CLUBBING OF 2 OR MORE INVOICE PERMITTED

EXCHANGE YOUR OLD GOLD JEWELLERY WITH NEW JEWELLERY | WE ACCEPT ALL MAJOR DEBIT AND CREDIT CARDS

ब्रह्मपुत्र एवं बराक नदियों पर बने पुलों ने दी असम में विकास को रफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम एवं पूर्वोत्तर के लोगों के मन में आजादी के बाद से यह आम धारण थी कि दिल्ली उनके लिए बहुत दूर है। यही कारण है कि पूरे पूर्वोत्तर में आम लोगों को बरगलाकर आसानी से उग्रवाद की पौध तैयार की गई। लंबे समय तक समूचा पूर्वोत्तर उग्रवाद की आग में जलता रहा। आए दिन बम धमाके, गोलीबारी, घरों को जलाने से लेकर अन्य हिंसक घटनाएं होती रहीं। इतना ही नहीं असम समेत समूचे पूर्वोत्तर के राज्यों में छोटी-छोटी बातों पर ब्लैक आउट, बंद का आह्वान, सड़क व रेल अवरोध आदि घटनाएं होती रहती थीं। उग्रवाद ने पूर्वोत्तर के विकास की रफ्तार को पूरी तरह से अवरूद्ध कर दिया था। उग्रवाद के दौर में ही जब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी नेतृत्वाधीन भाजपा गठबंधन की सरकार बनी तो पूर्वोत्तर को लेकर केंद्र सरकार का नजरिया बदलने लगा। वाजपेयी सरकार ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए एक अलग से डेपलमेंट आफ नार्थ ईस्ट रीजन (डोनर) मंत्रालय का गठन किया। इसके जरिए पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। इसका लाभ वर्तमान समय में देखने को मिल रहा है। असम में जहां विकास की नई तस्वीर उभरकर आने लगी, वहीं इसका असर समूचे पूर्वोत्तर पर भी दिखने लगा। उग्रवाद की धार भी एक तरह से कुंद पड़ने लगी। इस मामले में असम, त्रिपुरा मिजोरम मेघालय, अरुणाचल प्रदेश में उग्रवाद का सफाया हो चुका है, कुछ राज्यों में कभी-कभार कुछ घटनाएं देखने को मिल जाती हैं। उग्रवाद को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें दृढ़ता के साथ काम कर रही हैं, माना जा रहा है कि आने वाले समय में पूरा पूर्वोत्तर शांति के रास्ते पर लौट आएगा। बदलावों में सबसे बड़ा बदलाव सड़क संपर्क, रेल संपर्क, एवं हवाई संपर्क पर दिखने लगा है। वर्तमान में मणिपुर और मेघालय के छोड़कर पूर्वोत्तर के शेष राज्यों की राजधानियों या प्रमुख शहरों तक रेल संपर्क बहाल हो चुका है। वहीं सड़कों का जाल पूरे पूर्वोत्तर के राज्यों तक तेजी से फैल रहा है। सड़कों के विकास में सबसे बड़ी बाधा यहां की दो प्रमुख नदियां हैं। जिनको पार करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इस चुनौती से निपटने की ठान ली, जिसका परिणाम आज चारों ओर दिखने लगा है। असम की दो प्रमुख नदियों ब्रह्मपुत्र और बराक नदी पर बने पुलों के कारण आज यातायात व्यवस्था काफी बेहतर हुई है। आवागमन में काफी सुधार हुआ है। इस क्षेत्र में आज भी बड़े पैमाने पर काम चल रहा है। आने वाले दिनों में गुवाहाटी से सिलचर तक पहुंचने में लगने वाला समय घटकर आधा हो जाएगा। इसी तरह काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर एलिवेडेट कॉरिडोर के निर्माण की मंजूरी मिल गई है। इसके बनने से गुवाहाटी से जोरहाट, तिनसुकिया और डिब्रूगढ़ तक पहुंचने में लगने वाला समय भी काफी घट जाएगा। जिसके चलते विकास की रफ्तार और तेज होगी। एक समय ब्रह्मपुत्र नदी पर गिनती के दो पुल थे। जिसमें एक गुवाहाटी में और एक नगांव जिले में लेकिन वर्तमान में सात पुल चालू हैं तथा आने वाले समय में पांच से अधिक नए मेगा पुल बनने वाले हैं, या बन रहे हैं। कई परियोजनाओं पर काम अंतिम चरण में हैं। वहीं ब्रह्मपुत्र नदी की तलहटी के निचे से फोर लेन सड़क सह रेल अंडर वाटर मार्ग के विकास पर काम प्रारंभिक चरण में शुरू हो चुका है। यह मार्ग अपने आप में तकनीक की मिसाल बनने वाला है। वहीं बराक नदी पर भी तीन आरसीसी पुलों का निर्माण किया गया है। इन पुलों ने असम में यातायात एवं विकास की रफ्तार को गति देने में अहम भूमिका निभाई है। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर वर्तमान में 7 प्रमुख पुल पूरी तरह चालू हैं। हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के वक्तव्य के अनुसार, असम की लाइफलाइन कही जाने वाली इस विशाल नदी पर कनेक्टिविटी सुधारने के लिए आने वाले समय में 5 से अधिक नए मेगा पुल बनने वाले हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर काम अंतिम चरणों में चल रहा है। वर्तमान में चालू 7 प्रमुख पुलों में कुमार भास्कर वर्मा सेतु (गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी पुल) है। यह गुवाहाटी को उत्तर गुवाहाटी से जोड़ने वाला आधुनिक 6-लेन का एक्स्ट्राडोज्ड केबल पुल है, जो 3,000 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर निर्मित शराईघाट पुल गुवाहाटी में स्थित यह ब्रह्मपुत्र नदी पर बना पहला रेल-सह-सड़क पुल है। जिसे आम लोगों के लिए वर्ष 1962-63 में खोला गया था। पुराने पुल के ठीक बगल में बना 3-लेन का न्यू शराईघाट पुल 2017 में आम लोगों के लिए खुला। तेजपुर के पास स्थित कोलिया भोमोरा सेतु (सड़क पुल) उत्तर और दक्षिण असम को जोड़ता है। यह आम लोगों के लिए वर्ष 1987 में खुला। इसी तरह जोगीघोपा में स्थित नरनारायण सेतु यह दूसरा महत्वपूर्ण रेल-सह-सड़क पुल है। यह वर्ष 1998 में आम लोगों के लिए खुला। इसी तरह भूपेन हजारिका सेतु / धोला-सदिया पुल है। यह 9.15 किमी लंबा पुल ब्रह्मपुत्र की मुख्य सहायक नदी लोहित पर बना है और भारत के सबसे लंबे नदी पुलों में से वर्तमान में एक है। इसको आम लोगों के लिए वर्ष 2017 में खोला गया। डिब्रूगढ़ के पास बना बोगीबील पुल 4.94 किमी लंबा है। यह पुल भारत का सबसे लंबा रेल-सह-सड़क पुल है। इस पुल को वर्ष 2018 में आम लोगों के लिए खोला गया। असम के दक्षिणी भाग यानी बराक घाटी की जीवनरेखा मानी जाने वाली बराक नदी पर वर्तमान में कई प्रमुख कंक्रीट पुल चालू हैं, जो सिलचर, करीमगंज और हैलाकांडी जिलों को आपस में जोड़ते हैं। इसके अलावा, ट्रैफिक को सुगम बनाने और सफर का समय कम करने के लिए भविष्य के कई नए पुल प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। बराक वैली में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े आरसीसी पुलों का निर्माण किया है, जिसमें नया सदरघाट पुल है। यह पुल सिलचर शहर में स्थित यह बराक नदी का सबसे व्यस्त और प्रमुख पुल है, जो कछार जिले के उत्तरी हिस्से को मुख्य शहर से जोड़ता है। वहीं, एक किलोमीटर लंबा बद्रीघाट पुल आधुनिक पुल बरेन्गा और काशीपुर को आपस में जोड़ता है। इसके बनने से राष्ट्रीय राजमार्ग-37 और राष्ट्रीय राजमार्ग-54 के बीच कनेक्टिविटी काफी मजबूत हुई है। इटाखोलाघाट पुल सिलचर शहर को दुधपातिल इलाके से सीधे जोड़ता है, जिससे स्थानीय लोगों को नदी पार करने के लिए लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ता।अन्नपूर्णा घाट पुल सिलचर का एक और पुराना और महत्वपूर्ण पुल है जो बराक नदी के दोनों किनारों के स्थानीय व्यापार और यातायात को संभालता है। असम के धुबड़ी को मेघालय के फुलबारी से जोड़ने वाला 19.28 किमी लंबा फोर-लेन धुबड़ी-फुलबारी पुल का निर्माण कार्य जारी है। इसका काम 80 प्रतिशत के करीब पूरा हो चुका है और 2028 तक पूरी तरह तैयार होने के बाद यह भारत का सबसे लंबा नदी पुल बन जाएगा। जोगीघोपा में पुराने नरनारायण सेतु के समानांतर एक और पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके 2026-27 तक पूरा होने की उम्मीद है। गुवाहाटी महानगर क्षेत्र के पश्चिमी छोर पर पलाशबाड़ी-सुआलकुची पुल बन रहा है। यह 12.2 किमी लंबा मेगा प्रोजेक्ट है, जो मैनचेस्टर ऑफ असम (रेशम वस्त्र) कहे जाने वाले सुआलकुची को सीधे पलाशबाड़ी से जोड़ेगा। जोरहाट-माजुली पुल दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप *माजुली* को मुख्य भूमि जोरहाट से सीधा जोड़ेगा, जिससे माजुली के लोगों को नावों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। नया अमीनगांव-कामाख्या रेल-रोड पुल गुवाहाटी के पास लगभग 2 किमी लंबा एक नया कंपोजिट स्टील गर्डर रेल-सह-सड़क पुल भी स्वीकृत हुआ है, जिस पर शुरुआती काम (जियोटेक्निकल स्टडीज) शुरू हो चुका है। बराक नदी पर बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए नए पुलों को मंजूरी दी गई है, जिन पर काम शुरू हो चुका है या योजना अंतिम चरण में है।

असम के मुख्यमंत्री ने पीएम सेतु योजना की प्रगति की समीक्षा की



गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को राज्य में प्रधानमंत्री कौशल एवं रोजगार परिवर्तन उन्नत आईटीआई योजना (पीएम सेतु) की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बताया कि समीक्षा बैठक में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के आधुनिकीकरण, उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तैयार करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा उद्योगों और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग विकसित करने का निर्देश दिया। योजना का उद्देश्य आईटीआई के बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की बदलती जरूरतों के अनुरूप कुशल बनाना है।

पुण्यतिथि पर डॉ. भूपेन हजारिका को प्रदेश भाजपा ने दी श्रद्धांजलि 29 नवंबर को दिल्ली में जन्म शताब्दी समारोह का समापन

गुवाहाटी (हिंस)। भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर गुरुवार को असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी ने महान कलाकार को याद करते हुए कहा कि उन्होंने असम और असमिया संस्कृति को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने एक बयान में कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका केवल एक संगीतकार ही नहीं, बल्कि प्रख्यात साहित्यकार, पत्रकार, फिल्म निर्देशक, शिक्षाविद, शोधकर्ता और राष्ट्रवादी विचारक भी थे। उन्होंने अपने जीवन में असम के सामाजिक जीवन से जुड़े विभिन्न संवेदनशील मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाई। इसी कारण वह वास्तव में जनजीवन की आवाज थे। उन्होंने कहा कि महान कलाकार को उचित सम्मान देने और उनकी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने समय-समय पर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी का आयोजन पिछले वर्ष 8 सितंबर से शुरू हुआ था। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में गठित जन्म शताब्दी समारोह समिति के तत्वावधान में असम सरकार पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य उनके जीवन दर्शन, संगीत, साहित्य, संस्कृति और मानवतावादी विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। पिछले वर्ष 13 सितंबर को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित जन्म शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया था और लोगों को संबोधित किया था। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए 1,200 कलाकारों ने असमिया, बंगाली, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में डॉ. हजारिका के 14 अमर गीतों की 18 मिनट की विशेष संगीतमय प्रस्तुति दी थी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित लेखिका अनुराधा शर्मा पुजारी द्वारा लिखित डॉ. भूपेन हजारिका की जीवनी *भारत रत्न भूपेन हजारिका-गीतों के चित्रकार, सुरों के भास्कर* का विमोचन भी किया था। इस मूल असमिया जीवनी का देश की अन्य 21 संवैधानिक भाषाओं में अनुवाद कराने की पहल भी की गई है। जन्म शताब्दी समारोह के तहत डॉ. भूपेन हजारिका संग्रहालय का निर्माण, जीवनी का प्रकाशन, 100 फुट ऊंची प्रतिमा की स्थापना, विभिन्न शहरों में उनके नाम पर सड़कों का नामकरण, बिहू आयोजनों में विशेष कार्यक्रम, कोलकाता स्थित उनके आवास का संरक्षण, प्रदर्शन कला विभाग की स्थापना, राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार की शुरुआत और विशेष वृत्तचित्र का निर्माण जैसी कई पहल की गई हैं। मेधी ने बताया कि डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी का समापन समारोह आगामी 29 नवंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भव्य कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश-विदेश की कई जानी-मानी हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वर्षभर चले जन्म शताब्दी समारोह का उद्देश्य संगीत, साहित्य, सिनेमा और सामाजिक जीवन में डॉ. हजारिका के अमूल्य योगदान को उचित सम्मान देना है। उनकी कालजयी रचनाएं और विचार पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। यह समापन समारोह महान कलाकार के जीवन और योगदान के साथ-साथ असम की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान का भी उत्सव होगा।

डीएसपी खर्गेश्वर राभा की रहस्यमय मौत की न्यायिक जांच की मांग, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को बोको स्थित दिवंगत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) खर्गेश्वर राभा के आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की। बंगाईगांव के एक होटल के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई उनकी मौत के मामले में कांग्रेस ने उच्चस्तरीय न्यायिक जांच की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में एपीसीसी के महासचिव रमन्ना बरुवा, वरिष्ठ नेता प्रणय राभा, रमेन सिंह राभा, जादव स्वर्गियारी, कामरूप जिला कांग्रेस



अध्यक्ष प्रांजित चौधरी, सेवा दल के अध्यक्ष दीप बायन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निवारण चौधरी तथा पार्टी नेता राजीव राभा और प्रशांत बोरो शामिल थे। नेताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और न्याय की लड़ाई में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। परिजनों से मुलाकात के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि डीएसपी की मौत से जुड़े कई सवाल अब तक अनुत्तरित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शुरुआत से ही इस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। खर्गेश्वर राभा मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ में तैनात थे। उनका शव बंगाईगांव स्थित होटल जाह्नवी रीजेंसी के कमरा नंबर 102 में मिला था। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि होटल का कमरा कथित तौर पर डीएसपी के नाम पर बुक नहीं किया गया था, बल्कि किशोर हालोई नामक व्यक्ति के पहचान पत्र के आधार पर पंजीकरण किया गया था। उन्होंने किशोर हालोई की पहचान, अधिकारी के साथ उसके संबंध और उसके दस्तावेजों पर कमरा बुक किए जाने के पीछे की परिस्थितियों का खुलासा करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि जब डीएसपी की पत्नी ने होटल के रिसेप्शन पर फोन कर उनके ठहरने के बारे में जानकारी मांगी, तो कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि खर्गेश्वर राभा नाम का कोई व्यक्ति होटल में नहीं ठहरा है।

राज्यपाल ने डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर अर्पित की पुष्पांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को लोक भवन में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका एक महान संगीत प्रतिभा के धनी थे, जिन्होंने अपनी दूरदर्शी रचनाओं के माध्यम से भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार किया। अपने भावपूर्ण संगीत और प्रभावशाली गीतों के जरिए उन्होंने मानवता, सामाजिक सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।



उन्होंने कहा कि डॉ. हजारिका की कालजयी रचनाएं आज भी पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के दिलों में गूंज रही हैं। उनकी समृद्ध विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्थायी स्रोत बनी रहेगी। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका के योगदान को असम सहित पूरा देश सदैव याद रखेगा। इस अवसर पर राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम सहित लोक भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी महान कलाकार को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

ग्वालपाड़ा में जंगली हाथी का उत्पात, घर को किया क्षतिग्रस्त

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिले के पश्चिम माटिया इलाके में एक विशालकाय जंगली हाथी ने एक आवासीय घर को तोड़ दिया। हाथी की इस घटना को कैमरे में कैद किया गया है। जानकारी के अनुसार, पश्चिम मटिया इलाके में इन दिनों करीब 70 से 80 जंगली हाथियों का एक बड़ा झुंड डेरा डाले हुए है। हाथियों के झुंड की मौजूदगी से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। जंगली हाथियों के लगातार उत्पात से स्थानीय लोग दिन-रात भय के साये में जीने को मजबूर हैं। हाथियों के झुंड के रिहायशी इलाकों में पहुंचने से लोगों की जान-माल और संपत्ति को खतरा बना हुआ है।

असम राइफल्स में फर्जी भर्ती के नाम पर ठगी का मामला, कथित मास्टरमाइंड गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में असम राइफल्स में नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये लेकर कथित तौर पर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। असम सीआईडी की ओर से गुरुवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान फिरोज अली उर्फ फिरोज अंसारी उर्फ बी सिंह के रूप में हुई है। वह किस्मत अली का पुत्र है। उसे गुरुवार सुबह करीब 5.15 बजे उदालगुड़ी जिले



के पानेरी थाना अंतर्गत क्रिस्टियानापारा से गिरफ्तार किया गया। सीआईडी के अनुसार, आरोपी इस मामले का कथित मास्टरमाइंड है। इस संबंध में सीआईडी थाना केस संख्या 07/2026 दर्ज किया गया है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की विभिन्न धाराओं 61(2), 316(3), 318(3), 336(3), 338 और 341(1) के तहत दर्ज है। आरोपी के घर की तलाशी के दौरान दो वॉकी-टॉकी सेट और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

पूसीरे (निर्माण) के महाप्रबंधक ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे-निर्माण) के महाप्रबंधक आशीष बंसल ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात कर पूसीरे (निर्माण) की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष, असम को 13,63,205 रुपये का चेक सौंपा। यह राशि जून और जुलाई, 2026 में राज्य में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रदान की गई। यह योगदान कठिन समय में इस क्षेत्र के लोगों की मदद करने के प्रति पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (निर्माण) की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को हुई मुलाकात के दौरान बातचीत में महाप्रबंधक ने मुख्यमंत्री को पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूसीरे (निर्माण) द्वारा किए जा रहे विभिन्न रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और सर्वेक्षणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रेल विकास की उन महत्वपूर्ण पहलों की प्रगति पर प्रकाश डाला,



जिनका उद्देश्य कनेक्टिविटी को मजबूत करना, परिवहन संबंधी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना और क्षेत्रीय विकास में तेजी लाना है। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की, जिनके लिए राज्य सरकार के सहयोग और समर्थन की आवश्यकता है, ताकि रेलवे की अहम परियोजनाओं को समय पर और सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। इनमें कुछ परियोजनाओं के निर्माण कार्य में बाधा डालने वाले अतिक्रमणों को हटाने में मदद करना, और साथ ही महत्वपूर्ण मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं जैसे लामडिंग-फरकाटिंग दोहरी लाइन परियोजना और कामाख्या-गुवाहाटी तीसरी लाइन परियोजना के लिए जमीन खाली कराने और अन्य संबंधित सहयोग प्रदान करना शामिल है। बंसल ने प्रस्तावित कोकराझार-गेलेफू नई रेल लाइन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने हेतु राज्य सरकार से सहयोग मांगा। यह परियोजना इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी पहल है। इस बैठक में रेलवे और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग के महत्व पर जोर दिया गया, ताकि परियोजनाओं को लागू करने में आने वाली चुनौतियों से निपटा जा सके और रेलवे के प्रमुख बुनियादी ढांचा कार्यों को समय पर पूरा किया जा सके। इस तरह के संयुक्त प्रयासों से रेल कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी, परिवहन सुविधाओं में सुधार आएगाऔर असम तथा पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

असम कौशल विकास मिशन की तीसरी शासी परिषद की बैठक, नए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव की समीक्षा



गुवाहाटी (हिंस)। असम के मंत्री बिश्वजीत दैमारी ने गुरुवार को जनता भवन के बी ब्लॉक स्थित सम्मेलन कक्ष में असम कौशल विकास मिशन (एएसडीएम) की तीसरी शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। मंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बताया कि बैठक में दूसरी शासी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों पर हुई कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा हुई। बैठक में कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर), वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एएसडीएम की कौशल विकास गतिविधियों तथा मिशन के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य विदेशों में रोजगार, उच्च शिक्षा तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवागमन से संबंधित उद्देश्यों को मिशन में शामिल करना है। इससे राज्य के कुशल युवाओं के लिए विदेशों में रोजगार और शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में पहल की जाएगी। बैठक में विकसित असम-इंफ्रा विजन के तहत नए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव की भी समीक्षा की गई। इसका उद्देश्य राज्य में कौशल विकास के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। बैठक में कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. ओम प्रकाश, आईएएस, एएसडीएम के मिशन निदेशक हनीफ नूरानी तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रंगिया में रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट नवीकरण और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सुविधा और कल्याण को ध्यान में रखते हुए हाल ही में रंगिया रेलवे मंडल के प्रशिक्षण केंद्र में एक विशेष जागरूकता एवं कल्याणकारी शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। पूर्व कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान और उनके दैनिक कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में पेंशनभोगियों ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। उक्त शिविर का मुख्य आकर्षण पेंशनभोगियों के जीवन प्रमाण पत्र यानी डीएलसी (डीएलसी) का नवीकरण था। इस शिविर में कुल 43 सेवानिवृत्त



कर्मचारियों ने भाग लिया। इनमें से अधिकांश पेंशनभोगियों के डीएलसी नवीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया, जिससे उन्हें बैंक जाने की यांत्रिक परेशानी और लंबी शारीरिक कतारों से बड़ी राहत मिली। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, पेंशनभोगियों के शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने के साथ-साथ विभिन्न शारीरिक समस्याओं के बारे में डॉक्टरों से सीधे सलाह लेने का लाभ उठाया। बैठक में हाल ही में सेवानिवृत्त हुए कुछ कर्मचारियों के पेंशन बैंक खाते में जमा होने में हुई देरी की समस्या पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इस संबंध में आवश्यकतानुसार संबंधित बैंक या कार्यालय से तत्काल संपर्क करने की सलाह दी गई। इसके अलावा, कार्यक्रम में *उम्मीद* मेडिकल कार्ड की वैधता और मोबाइल नंबर बदलने पर इसे समय पर अपडेट करने के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। आपातकालीन स्थिति में कार्ड अपडेट न होने पर चिकित्सा सेवा प्राप्त करने में किस प्रकार की कठिनाई उत्पन्न हो सकती है, इस बारे में अवगत कराते हुए सभी को सतर्क रहने का आह्वान किया गया।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 5.0 शुरू

गुवाहाटी। रक्षा पेंशनभोगियों की सहायता के लिए एक विशेष आउटरीच अभियान आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य *जीवन प्रमाण* पोर्टल के माध्यम से उनके वार्षिक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) को आसानी और तेजी से जमा करने में मदद करना है। वार्षिक पहचान प्रक्रिया के अलावा, इस पहल के माध्यम से पेंशनभोगी अपनी पेंशन संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सीधे विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। जिन रक्षा पेंशनभोगियों को तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है या जिनकी शिकायतें अभी तक हल नहीं हुई हैं, उनसे विशेष रूप से आग्रह है कि वे इस शिविर में आएं और मौके पर ही सहायता प्राप्त करें।



E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

पेज-3

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 94 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 6 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एसआईआर पर चर्चा से भागेगी कांग्रेस, उसके पास न सच है और न... पेज 5

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार पेज 6

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने में भारत की दीप्ति भी... पेज 7

धनतेरस : आरोग्य, धन और समृद्धि का पावन पर्व पेज 8

अगर दो शादियां की तो जाएगी सरकारी नौकरी : मुख्यमंत्री



गुवाहाटी। असम में सरकारी कर्मचारियों से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया है कि अगर असम में कोई सरकारी कर्मचारी एक से ज्यादा शादी करता है तो उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत ने बताया कि असम कैबिनेट का फैसला है कि अगर असम सरकार का कोई कर्मचारी बहुविवाहित पाया गया, तो उसे नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा। किसी भी धर्म के सरकारी कर्मचारी के बहुविवाह का दोषी पाए जाने पर उसे सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। यानी कि ये नियम हर धर्म के सरकारी कर्मचारी पर लागू होगा। मुख्यमंत्री हिमंत ने बताया कि आज हमने एक अहम फैसला लिया है। सरकारी कर्मचारी जो बहुविवाह में शामिल मिलेंगे, उन्हें नौकरी से डिसमिस किया जाएगा। फ्यूचर इंप्लॉयमेंट के लिए भी डिसक्वालिफिकेशन होगा। हमने असम सर्विस और डिसिप्लीन रूल में संशोधन किया है। सीएम हिमंत के मुताबिक कि बहुविवाह का दोषी पाए जाने वाले सरकारी कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा। यह भविष्य में किसी भी सरकारी रोजगार के लिए भी अयोग्यता मानी जाएगी। इस कड़े दंड को शामिल करने के लिए मंत्रिमंडल ने नियम सात की धारा छह को जोड़ा है। चूंकि असम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो चुकी है, इसलिए यह हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सभी पर समान रूप से लागू होगा। असम सरकार से जुड़ी एक और बड़ी खबर ये है कि इस साल की शुरुआत में शिवसागर और चराईदेउ जिलों में आई विनाशकारी बाढ़ के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए असम सरकार ने सीबीआई का रुख करने की तैयारी की है। असम सरकार ने इस मामले में सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध करते हुए केंद्र को पत्र लिखने का फैसला किया है। ये फैसला मंगलवार (4 नवंबर) को किया गया। सीएम हिमंत ने बताया है कि अगले 10 दिनों के भीतर केंद्र को पत्र भेजा जाएगा, इसके बाद जांच सौंपने का आखिरी फैसला केंद्र सरकार पर निर्भर करेगा। इस दौरान सीएम ने ये भी कहा कि हमारा उद्देश्य केवल इतना है कि बाढ़ के सही कारण सामने आ जाएं। इससे पहले खबर सामने आई थी कि असम में बारिश से तबाही मची और पुल तक टूट गया। इसके बाद अमित शाह ने सीएम हिमंत को मदद का भरोसा दिया।

सीएम ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को महान कलाकार एवं भारत रत्न से सम्मानित डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने असम की सांस्कृतिक विरासत में महान कलाकार के अतुलनीय योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका का असम की सांस्कृतिक दुनिया में योगदान अतुलनीय है। उनकी कालजयी रचनाओं और मधुर संगीत ने असमिया -शेष पृष्ठ छह पर

बंदूक की गोलियों से बुलेट ट्रेन तक पहुंचा असम का सपना

विकास की नई राह पर बढ़ रहा राज्य : मुख्यमंत्री



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि जो राज्य कभी गोलीबारी और हिंसा से दहल जाता था, वह अब *बुलेट ट्रेन* की रफ्तार से आगे बढ़ने का सपना देख रहा है। यह विकास, कनेक्टिविटी और नए अवसरों के एक नए युग का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असम में एक बड़ा बदलाव आया है। राज्य अपने अशांत अतीत को पीछे छोड़कर, प्रगति और विकास से भरे भविष्य की ओर बढ़ रहा है। सीएम शर्मा ने कहा कि जो असम कभी बंदूक की गोलियों की आवाज से कांप उठता था, वह आज विकास की बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ने का सपना देख रहा है। राज्य में बेहतर होती कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए सीएम ने उस दौर को याद किया जब असम से देश की राजधानी दिल्ली तक का सफर तय करने में 30 से 36 घंटे लग जाते थे। उन्होंने कहा कि जो असम कभी दिल्ली पहुंचने के लिए 30-36 घंटे का लंबा सफर तय करता था, वह आज बेहतर कनेक्टिविटी, विकास और नई संभावनाओं की दहलीज पर खड़ा है। सीएम शर्मा ने जोर देकर कहा कि यह बदलाव सिर्फ परिवहन ढांचे (ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर) तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्य -शेष पृष्ठ छह पर

दीपावली को लेकर असम में उत्साह

बाजारों में रंग-बिरंगी आतिशबाजी और दीयों की धूम



गुवाहाटी (हि.स.)। प्रकाश पर्व दीपावली को लेकर असम में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। त्योहार के मद्देनजर राज्यभर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। बाजारों में विभिन्न प्रकार के पटाखों, आतिशबाजी, सजावटी रोशनी और मिट्टी के दीयों की दुकानें सज गई हैं। इस वर्ष आतिशबाजी के बाजार में *ऑपरेशन सिंदूर* थीम पर आधारित पटाखे लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन्हें खरीदने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत के मुख्य वाणिज्यिक केंद्र गुवाहाटी के फैंसी बाजार में भी दीपावली को लेकर विशेष -शेष पृष्ठ छह पर

असम की अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट : डॉ. शर्मा



गुवाहाटी। 26 अक्तूबर को गुवाहाटी के एक होटल में पांच लोगों की हत्या के आरोपी 34 वर्षीय व्यक्ति की *मुठभेड़* में हुई मौत को लेकर असम पुलिस की आलोचना होने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व ने राज्य में अपराध दर में गिरावट पर जोर दिया। शर्मा ने गुरुवार (5 नवंबर, 2026) को सोशल मीडिया पर सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि जांचें तेजी से आगे बढ़ रही हैं, दोषसिद्धि दर बढ़ रही है और अपराध दर में गिरावट आ रही है। उन्होंने कई ग्राफिक्स पोस्ट करते हुए कहा कि असम में अपराध दर में लगभग 68 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2021 में प्रति लाख जनसंख्या पर 379 से घटकर 2025 में 121.5 हो गई है। वहीं, चार्जशीट दाखिल करने की दर 2016 में 48.8 प्रतिशत से बढ़कर 2019 में 87.66 प्रतिशत हो गई है। एक अन्य ग्राफ से पता चला कि दोषसिद्धि दर 2020 में 55 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2026 तक 30.88 प्रतिशत हो गई थी। -शेष पृष्ठ छह पर

सुप्रभात

जो मनुष्य संयम के साथ, विद्यार्जन करता है, और अपने विद्या से सब का परोपकार करता है। उसकी पूजा सिर्फ इस लोक मे नहीं वरन परलोक मे भी होती है।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

कामरूप (मेट्रो) में 9 को स्थानीय अवकाश घोषित

गुवाहाटी। दिवाली के त्योहार को लेकर असम सरकार ने कामरूप (मेट्रो) जिले में बड़ी राहत दी है। सरकार ने 9 नवंबर 2026, सोमवार को जिले में स्थानीय अवकाश घोषित कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल के आदेश पर यह अवकाश घोषित किया गया है। इस दिन कामरूप (मेट्रो) जिले के अंतर्गत आने वाले *सभी राज्य सरकार के कार्यालय और सभी शिक्षण संस्थान बंद* रहेंगे। अधिसूचना में साफ कहा गया है कि जिले के सभी वित्तीय संस्थान भी बंद रहेंगे। -शेष पृष्ठ छह पर

हर हाल में बांग्लादेश लौटूंगी : हसीना

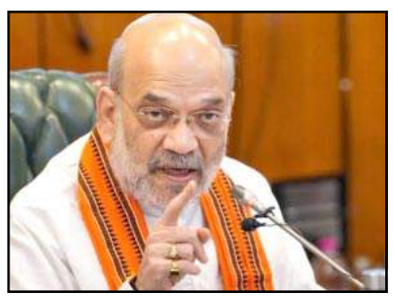
ढाका। बांग्लादेश में 2024 में बड़े पैमाने पर हुए जनविद्रोह के बाद सत्ता से बेदखल की गई पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह अगले महीने (भारत में) निर्वासन से स्वदेश वापसी के अपने इरादे पर कायम हैं। हसीना ने यह बात ऐसे समय कही है, जब उनकी सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई घातक कार्रवाई के मामले में उन्हें मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध-प्रदर्शनों के कारण सत्ता से हटाए जाने के बाद हसीना भारत आ गई थीं और तब से वह वहीं रह रही हैं। बांग्लादेश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने 2025 में उन्हें मानवता के खिलाफ अपराध के लिए मौत की सजा सुनाई।

आरोपी को हिरासत में लेते ही शुरू होगी 24 घंटे की समयसीमा, एससी का अहम फैसला



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी की 24 घंटे समयसीमा पर बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि आरोपी को 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की समयसीमा हिरासत में लेने के समय से ही शुरू होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि 24 घंटे में जज के सामने आरोपी को पेश करने का वक्त उसकी आधिकारिक गिरफ्तारी ने नहीं माना जाएगा। इसके लिए उसे हिरासत में लेने का वक्त ही माना जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी और हिरासत को अलग-अलग मानकर नहीं देखा जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि दोनों ही परिस्थितियों में व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कई हाईकोर्ट के दृष्टिकोण की आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने गिरफ्तारी और हिरासत के बीच कृत्रिम अंतर पैदा किया है। -शेष पृष्ठ छह पर

घुसपैठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेंगे, फिर देश से : अमित शाह



चंडीगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की मतदाता सूची व इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस तीन करोड़ घुसपैठियों को बचाने के लिए देशभर में रैलियां निकाल रही है। अमित शाह गुरुवार को करनाल में आयोजित *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* रैली को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देते हैं, लेकिन देश के मुद्दों पर संसद में चर्चा करने से बचते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन राहुल गांधी अपनी और अपने साथियों की यह गारंटी दें कि वे संसद में इस मुद्दे पर चर्चा से भागेंगे नहीं। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठियों को बचाने के लिए रैली करने वाली कांग्रेस 13 करोड़ वोट कटने का दावा करती है। जिसकी सच्चाई यह है कि 2.8 करोड़ मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। सवा छह करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो दूसरे राज्यों में शिफ्ट हो चुके हैं। देश में एक करोड़ मतदाता ऐसे हैं जिनके तीन से ज्यादा स्थानों पर वोट थे। तीन करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो न तो चुनाव आयोग के सामने आ रहे हैं और न ही धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं घुसपैठियों को बचाने के लिए कांग्रेस सड़कों पर है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार इन घुसैपठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेगी और फिर देश से बाहर करेगी। हाथ में संविधान लेकर चलने वाले संसद की बात सड़क -शेष पृष्ठ छह पर

सत्ता हासिल करना ही इंडी गठबंधन का एकमात्र लक्ष्य : सोनोवाल



सिलीगुड़ी (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा करना नहीं, बल्कि किसी भी तरह सत्ता हासिल करना है। गुरुवार को सिलीगुड़ी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आयोजित *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। इस दौरान दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट और सिलीगुड़ी सांगठनिक जिला अध्यक्ष अरुण मंडल भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल जनता के बीच भ्रम फैलाकर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। -शेष पृष्ठ छह पर

प्रतिभावान युवाओं को आज भरोसा है कि देश उनके साथ है : प्रधानमंत्री



नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है। आज भारत की ओर से प्रतिनिधित्व में कमी के कारण उपेक्षित रहे खेलों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हमारे पैरा स्पोर्ट्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री ने आज नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एशियाई पैरा गेम्स 2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल के साथ बातचीत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने पैरा एथलीटों की प्रशंसा की और देशवासियों की ओर से उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि 2010 के पैरा एशियन खेलों में भारत ने बस 1 स्वर्ण और कुल 14 पदक जीते थे। इस बार यह आंकड़ा 114 है। यह यात्रा खिलाड़ियों के परिश्रम की पराकाष्ठा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में यदि किसी युवा को अपनी प्रतिभा पर भरोसा है तो उसे यह विश्वास भी होता है कि पूरा देश उसके साथ खड़ा है। पैरा स्पोर्ट्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। अपनी सरकार के हाल -शेष पृष्ठ छह पर

जदयू की बैठक में एमएलसी चुनाव में हार पर मंथन

निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाने की मांग



पटना। जदयू ने बिहार में एमएलसी चुनाव में हार की समीक्षा की। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में बुलाई गई इस समीक्षा बैठक में जदयू के तीन हारे हुए उम्मीदवारों में से दो ने अपनी हार के लिए भाजपा को भी जिम्मेदार ठहराया। इस बैठक में कुछ नेताओं ने नीतीश के बेटे निशांत कुमार को उपमुख्यमंत्री बनाने के लिए भी नारे लगाए। संजय झा ने कहा कि जिनके पिता 21 वर्षों तक मुख्यमंत्री और 16 वर्षों तक केंद्रीय मंत्री सहित -शेष पृष्ठ छह पर

दिल्ली में राहुल गांधी की रैली में नहीं पहुंचने पर एक्शन

देशभर में यूथ कांग्रेस के 200 से ज्यादा नेता सस्पेंड



नई दिल्ली। हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में विपक्षी इंडी गठबंधन की रैली में शामिल न होने के कारण इंडियन यूथ कांग्रेस ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए अपने 200 से ज्यादा सदस्यों को निलंबित कर दिया है। निलंबन पत्रों से पता चलता है कि अब तक सात राज्यों में कम से कम 185 सदस्यों को निलंबित किया गया है और उनसे उनकी अनुपस्थिति के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। सूत्रों के अनुसार, अनुशासनात्मक समीक्षा के बाद यह संख्या बढ़कर 500 तक पहुंच सकती है। हालांकि, यूथ कांग्रेस के कुछ निलंबित सदस्यों ने इस बात पर हैरानी जताई है कि पार्टी ने उन्हें सिर्फ एक घटना के आधार पर कैसे आंक लिया, जबकि उन्होंने पार्टी की सेवा में अपने जीवन के कई साल दिए हैं। यूथ कांग्रेस के महासचिव रोहित राजोरिया को बिना अपनी बात रखने का मौका दिए उनके पद से हटा दिया गया। इस पर उन्होंने कहा कि हमने पार्टी के लिए एफआईआर का सामना किया और जेल भी गए। क्या हमें सिर्फ एक कार्यक्रम में शामिल -शेष पृष्ठ छह पर

दिल्ली की जहरीली हवा के आगे झुका बीसीसीआई

13 दिसंबर को होने वाला भारत बनाम श्रीलंका पहला ओडीआई विशाखापत्तनम शिफ्ट



नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ भारत की आगामी घरेलू सीरीज का पहला वनडे मैच दिल्ली से विशाखापत्तनम स्थानांतरित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इस बदलाव की पुष्टि की। 13 दिसंबर को होने वाला यह मैच, जो पहले अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना था, अब विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। डीडीसीए ने बीसीसीआई से संपर्क करके वेन्यू (स्थान) बदलने का अनुरोध किया था। उन्होंने बताया कि दिसंबर में दिल्ली में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान, स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण कार्यों और खराब मौसम की संभावनाओं के कारण वे इस मैच की मेजबानी करने में असमर्थ हैं। एसोसिएशन को चिंता थी कि अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे काम और मौसम की वजह से आ सकने वाली रुकावटों के कारण, मैच के आयोजन में दिक्कतें आ सकती हैं। इसके -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थीं। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था। यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था, तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थीं। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं।

शिक्षा के मंदिरों में हिंसा का अंधेरा और असुरक्षित होता बचपन

विद्यालयों में बचपन को हिंसामुक्त बनाने की चुनौती

> माता-पिता अपने बच्चों को विद्यालय इसलिए भेजते हैं कि वहां वे ज्ञान अर्जित करें, मित्रता करना सीखें, अनुशासन और सहयोग की भावना विकसित करें तथा अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें लेकिन जब यही विद्यालय बच्चों के लिए भय, अपमान, प्रताड़ना और हिंसा का केंद्र बनने लगें तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के नैतिक और मानवीय चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। आज बच्चों के बीच बढ़ती आक्रामकता, मारपीट, धमकाने, मानसिक प्रताड़ना और साइबर बुलिंग की घटनाएं जिस तेजी से सामने आ रही हैं, वे बचपन की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा करती हैं। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष नवंबर के पहले गुरुवार को 'स्कूलों में हिंसा और बदमाशी (साइबर बुलिंग सहित) के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 5 नवंबर को मनाया जा रहा है। यूनेस्को के सदस्य देशों ने 2019 में इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया था और इसका पहला आयोजन 2020 में हुआ था। इस वर्ष इसकी थीम है 'हर शिक्षार्थी सुरक्षित और स्वस्थः वादे से व्यवहार तक'। यह थीम केवल एक औपचारिक संदेश नहीं बल्कि दुनिया की शिक्षा प्रणालियों, सरकारों, विद्यालयों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने एक स्पष्ट चुनौती रखती है कि बच्चों की सुरक्षा के संबंध में की गई घोषणाओं को वास्तविक जीवन में प्रभावी कार्रवाई में बदला जाए। इस दिवस का महत्व इस वर्ष पंचकूला के एक सरकारी विद्यालय में हुई दिल दहला देने वाली घटना के संदर्भ में और बढ़ जाता है। 28 अक्तूबर को विद्यालय में तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा छह वर्षीय छात्रा पर कथित रूप से ईंट, गमले और अन्य वस्तुओं से बेरहमी से हमला किए जाने की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। बच्ची को गंभीर चोटें आई और उसे चंडीगढ़ के पीजीआई में उपचार के लिए भर्ती कराना पड़ा। इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि हिंसा करने वाला भी बच्चा है और उसका शिकार बनी बच्ची भी। यह किसी व्यस्क अपराधी द्वारा बच्चे के विरुद्ध किया गया अत्याचार नहीं बल्कि बाल मन में पनप रही असामान्य आक्रामकता और बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद गंभीर खामियों का संकेत है। ऐसे में यह विचारणीय है कि बच्चों के सामने किस प्रकार की डिजिटल सामग्री परोसी जा रही है, वे घर और विद्यालय में किस तरह के व्यवहार को देखते हैं तथा उनकी भावनात्मक समस्याओं को समझने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। किसी बच्चे का हिंसक व्यवहार केवल दंड का नहीं, उसके पीछे छिपे पारिवारिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और पर्यावरणीय कारणों की पड़ताल का भी विषय है। विद्यालयों में हिंसा हमेशा गंभीर शारीरिक हमलों के रूप में ही सामने नहीं आती। किसी बच्चे को उसके रंग, रूप, भाषा, आर्थिक स्थिति, शारीरिक बनावट, पारिवारिक पृष्ठभूमि, परीक्षा में प्रदर्शन अथवा किसी अन्य भिन्नता के कारण चिढ़ाना, उपनाम देकर अपमानित करना, समूह से अलग रखना, धमकाना, डराना और बार-बार मानसिक रूप से प्रताड़ित करना भी बदमाशी के ही रूप हैं। कई बार इसे बच्चे आपसी मजाक या सामान्य शरारत समझकर टाल देते हैं जबकि लगातार होने वाला ऐसा व्यवहार पीड़ित बच्चे के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और मानसिक स्वास्थ्य को भीतर तक तोड़ सकता है। भय के कारण वह विद्यालय जाने से कतराने लगता है, पढ़ाई में पिछड़ता है, अकेलापन महसूस करता है और कई मामलों में अवसाद तथा आत्मघाती विचारों तक से जूझ सकता है। यूनेस्को की 2019 की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में प्रत्येक तीन में से एक से अधिक विद्यार्थी विद्यालयों में किसी न किसी रूप में बदमाशी का शिकार हुए। लगभग हर दस में से एक विद्यार्थी साइबर बुलिंग से प्रभावित पाया गया। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि बार-बार बदमाशी झेलने वाले विद्यार्थियों में विद्यालय से अलगाव महसूस करने और अनुपस्थित रहने की आशंका अधिक होती है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बदमाशी कोई सामान्य बालसुलभ शरारत नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बच्चों के अधिकारों से जुड़ी गंभीर वैश्विक समस्या है। तकनीक के विस्तार ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। पहले विद्यालय की चारदीवारी के भीतर होने वाली प्रताड़ना अब मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन खेलों और संदेशों के माध्यम से चौबीसों घंटे बच्चों का पीछा कर सकती है। किसी बच्चे की तस्वीर या वीडियो को बिना अनुमति साझा करना, उसे अपमानजनक टिप्पणियों का निशाना बनाना, फर्जी पहचान बनाकर धमकाना, निजी संदेशों को सार्वजनिक करना अथवा ऑनलाइन समूहों से जानबूझकर बाहर रखना साइबर बुलिंग के गंभीर रूप हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए सबसे पहले विद्यालयों को अपनी जिम्मेदारी का वास्तविक अर्थ समझना होगा। केवल प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कर्मचारी तैनात कर देना, परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवा देना अथवा दीवारों पर अनुशासन संबंधी संदेश लिखवा देना पर्याप्त नहीं है। पंचकूला की घटना ने यह सवाल खड़ा किया है कि यदि विद्यालय परिसर में बच्चे असुरक्षित हैं और गंभीर हिंसा की घटना लंबे समय तक किसी की नजर में नहीं आती तो सुरक्षा के तमाम दावों का औचित्य क्या है? सीसीटीवी कैमरे तभी उपयोगी हैं, जब उनकी नियमित निगरानी हो और किसी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल हस्तक्षेप किया जाए। विद्यालयों में संवेदनशील स्थानों की नियमित निगरानी, पर्याप्त शिक्षकीय उपस्थिति, बच्चों की आवाजाही पर नियंत्रण, आगंतुकों का सत्यापन तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया की स्पष्ट व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। विशेष रूप से छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए कक्षाओं, गलियारों, शौचालयों के आसपास और विद्यालय परिसर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी सुनिश्चित करना जरूरी है। यहां अभिभावकों को जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। बच्चों को महंगे मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध करा देना ही अच्छी परवरिश नहीं है। माता-पिता को यह जानने का प्रयास करना होगा कि उनके बच्चे इंटरनेट पर क्या देखते हैं, किन लोगों से संवाद करते हैं, किस तरह के ऑनलाइन खेल खेलते हैं और उनके व्यवहार में कोई असामान्य परिवर्तन तो नहीं आ रहा। बच्चों के सामने घर में हिंसक भाषा, अपमानजनक व्यवहार और आक्रामकता का प्रदर्शन करने से बचना भी उतना ही आवश्यक है। परिवार में प्रेम, संवाद, सहानुभूति और आपसी सम्मान का वातावरण ही बच्चों के भीतर मानवीय संवेदनाओं की मजबूत नींव रख सकता है। बच्चों को यह सिखाना होगा कि अपनी बात मनवाने के लिए हिंसा नहीं, संवाद और सहमति का रास्ता अपनाना चाहिए। यह समझना भी जरूरी है कि हिंसा करने वाले बच्चे को केवल अपराधी घोषित करके समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।



देश दुनिया से

ट्रंप के लाल तेवरों के खिलाफ नीली सुनामी

'ब्लू सुनामी' कहिए इसे। यह आधुनिक इतिहास में किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ सबसे बड़े जनादेशों में से एक रहा है। मतदाताओं के पास ट्रम्प की निरंकुश सत्ता को नकारने, ईरान में उनके अलोकप्रिय युद्ध, जीवन-यापन की भारी-भरकम लागत को कम करने में उनकी विफलता और पूरी दुनिया में आर्थिक अफरा-तफरी मचाने के खिलाफ अपना फैसला सुनाने का मौका था। अमेरिकी मतदाताओं ने ट्रम्प समर्थकों के 'एमएजीए' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के एकाधिकार को जबरदस्त 'ब्लू वेव' के जरिये समाप्त कर दिया। निचले सदन 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स' और ऊपरी सदन 'सीनेट' पर अब डेमोक्रेट्स का नियंत्रण दिखने लगा है। इससे डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ़रीज के लिए इस सदन का पहला अश्वेत स्पीकर बनने का रास्ता साफ हो चुका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यकीनन इस कालखंड के सबसे बड़े इस्राइल समर्थक राष्ट्रपति रहे हैं। इसलिए उनकी यह घोषणा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस्राइल को 4 बिलियन डॉलर की वार्षिक सहायता देना बंद कर देगा, आश्चर्यजनक थी। इस घोषणा को भूकंपीय थरथरी से कम मत मानिए, जिसे तेल अवीव तक तीव्रता से महसूस किया गया। नेतन्याहू के कट्टर समर्थकों का विचार भी बदलने लगा। वे मानने लगे कि ट्रम्प से मिलकर उन्होंने देश को धोखा दिया है। पिछले सप्ताह के चुनाव में कोई स्पष्ट विजेता नहीं होने और नेतन्याहू के भविष्य पर अनिश्चितता के बाद इस्राइल राजनीतिक अधर में है। 4 अरब डॉलर की वार्षिक सैन्य सहायता बंद कर देने की घोषणा ने दोनों देशों के बीच संबंधों के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे ठीक एक सप्ताह पहले इस्राइल में चुनाव हुए थे, जिसमें नेतन्याहू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनके संबंधों से रणनीतिक अवसर मिलते हैं। ट्रम्प के ताजा बयानों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच इस सहायता को समाप्त करने को लेकर महीनों पहले ही सहमति बन गई थी, जबकि मौजूदा समझौता 2028 तक लागू रहना था। ट्रम्प ने दावा किया कि खुद नेतन्याहू ने ही इस बदलाव का प्रस्ताव दिया था। आखिर क्यों? क्या नेतन्याहू ने मान लिया कि वे सरकार नहीं बना पाएंगे? बना भी ली, तो मनमर्जी चला नहीं पाएंगे। और जब इस्राइल का नियंत्रण किन्हीं और हाथों में चला जाए, तो ट्रम्प से कहकर उसकी डोर क्यों न काट ली जाए। हालांकि, नेतन्याहू ने सार्वजनिक रूप से यह वकालत की थी कि अगले एक दशक में अमेरिकी सैन्य सहायता को धीरे-धीरे खत्म कर दिया जाना चाहिए। इसका असर गठबंधन बनाने की बातचीत पर भी पड़ने लगा है। जो पार्टियां थोड़ा-बहुत नेतन्याहू के नेतृत्व को बर्दाश्त कर गठबंधन वाली सरकार में शामिल होने पर विचार कर रही थीं, अब उनके नेता बिदकने लगे हैं। उनके सामने एक बड़ा सवाल है कि भविष्य के सरकारी बजट पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कैसे संभाला जाएगा? ट्रम्प के कार्यकाल के खत्म होने से पहले इस्राइल के पास 28 महीने का समय है, जिसमें वह ईरान, गाजा और लेबनान में चल रही प्रक्रियाओं को और अधिक मजबूत कर सकता है। मौजूदा समझौते के तहत इस्राइल को सालाना 3.8 अरब डॉलर मिलते हैं, जिसमें 3.3 अरब डॉलर की सैन्य फंडिंग और 500 मिलियन डॉलर संयुक्त मिसाइल-रक्षा कार्यक्रमों के लिए शामिल हैं। यदि इस सहायता को जल्दबाजी में वापस लिया जाता है, तो रक्षा खरीद, बजट योजना और महत्वपूर्ण सुरक्षा क्षमताओं को बनाए रखने को लेकर तुरंत सवाल खड़े हो जाएंगे। विदेश नीति के ऐसे विश्लेषक, जो रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, दोनों प्रशासनों में काम कर चुके हैं, मानते हैं कि इस्राइल की अर्थव्यवस्था अब इतनी मजबूत हो चुकी है कि उसे सैन्य उपकरण खरीदने के लिए अमेरिकी मदद की जरूरत नहीं है। वैश्विक मामलों के विश्लेषक और नई किताब 'ब्रिंक' के लेखक ब्रेट मैकगर्क भी उनमें से एक हैं। अमेरिका में राजनीतिक हालात को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। डेमोक्रेट्स ने ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए हाउस और सीनेट, दोनों पर अपना नियंत्रण बना लिया है। डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारी अलोकप्रियता का फायदा उठाया और इतनी ताकत हासिल कर ली है कि वे उनके कार्यकाल के आखिरी दो वर्षों में उन पर लगाम रख सकें। डोनाल्ड ट्रम्प का वर्तमान राष्ट्रपति कार्यकाल जनवरी, 2029 में समाप्त होना तय है। लेकिन तब तक क्या वे शांत बैठेंगे? ट्रम्प ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को बताया कि वे नतीजों को स्वीकार करेंगे। इससे फिलहाल उन सवालों पर विराम लग गया है कि क्या वे इन नतीजों को चुनौती देंगे। ट्रम्प इतनी आसानी से पराजय स्वीकार करने वाले प्राणी नहीं हैं। उन्हें अपने 'वीटो' पर भरोसा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि वे सदन में डेमोक्रेट-समर्थित कानूनों को रोकने के लिए 'वीटो पावर' का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने फॉक्स न्यूज के ब्रेट बेयर से कहा, 'यह राष्ट्रपति के पास मौजूद सबसे मजबूत शक्तियों में से एक है। वे ऐसी चीजें भेजेंगे, जो बिल्कुल बेतुकी होंगी और मैं उन पर वीटो लगा दूंगा। कुछ महीनों तक वीटो लगाने के बाद वे पूछेंगे कि इन कामों को कैसे पूरा किया जाए? और फिर हम मिलकर काम करेंगे।' लेकिन ट्रम्प यह भूल जाते हैं कि अमेरिकी संसद में 'वीटो-प्रूफ बहुमत' भी होता है। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 1, धारा 7 के अनुसार, यदि राष्ट्रपति किसी बिल को वीटो के जरिये अस्वीकार कर देते हैं, तो उसे दोबारा कानून बनाने के लिए अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पास होना जरूरी है।



आप का नजरीया

क्या एसआईआर 'बेमानी' है?

अंततः चुनाव आयोग को लौट कर उसी बिंदु पर आना पड़ा, जहां से उसने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) शुरू किया था। अब चुनाव आयोग ने राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को लिखित निर्देश दिए हैं कि पुराने मतदाता भी फॉर्म 6 भर सकते हैं और इस तरह अधिकृत मतदाता बन सकते हैं। जिनके नाम मतदाता सूची में थे और एसआईआर के दौरान हटा दिए गए, वे मतदाता फॉर्म 6 के जरिए नया आवेदन कर 'मतदाता' बन सकते हैं। एसआईआर के दौरान यह व्यवस्था नहीं थी, बल्कि चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 के साथ एक हलफनामा भी जोड़ दिया था, जिसमें घोषणा करना 'अनिवार्य' तय किया गया था कि वह पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन कर रहा है। उस हलफनामे में माता-पिता, दादा-दादी आदि के मतदाता होने की भी घोषणा करनी पड़ती थी। यह मामला अब सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, लेकिन चुनाव आयोग को 'बुद्धू की तरह लौट कर घर आना' पड़ा है। अब कोई भी फॉर्म 6 भर कर मतदाता बन सकता है। देश के जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 31 के तहत ऐसा करना 'दंडनीय अपराध' है। यदि पुराना मतदाता फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करता है, तो उसे एक साल जेल की सजा तक हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने व्यवस्था दी थी कि जिनके नाम छूट गए हैं या गायब हैं अथवा काट दिए गए हैं, वे फॉर्म 6 के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। उनके खिलाफ कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा और न ही उन्हें सजा होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी इसी आशय की बात कही थी। सवाल है कि क्या अदालतें संसद द्वारा पारित और स्थापित कानून के खिलाफ भी व्यवस्था अथवा फैसला दे सकती हैं? सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने ही आयोग से कड़क सवाल पूछा था कि पुराने मतदाताओं से फॉर्म 6 क्यों भरवाया जा रहा है? उनसे फॉर्म 8 के जरिए आवेदन लिए जाएं और स्वीकार किए जाएं। इस न्यायिक विरोधाभास को क्या समझा जाए? अहम सवाल तो यह है कि क्या एसआईआर का संपूर्ण अभियान ही बेमानी साबित हुआ? दरअसल अब चुनाव आयोग का कहना है कि यदि पुराने, छूटे हुए मतदाता भी फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करते हैं, तो उसे 'झूठी घोषणा' नहीं माना जाएगा, लिहाजा दंडनीय कानूनी कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। आश्चर्यजनक है कि एक संवैधानिक संस्था ही 'संवैधानिक कानून' के खिलाफ काम कर रही है! एसआईआर का अभियान 13 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में सम्पन्न हो चुका है। अंतिम मतदाता सूचियां भी जारी की जा चुकी हैं। कुछ संशोधन तो जारी रहेंगे, उनकी पूरक सूचियां प्रकाशित की जाएंगी। अभी तक के शुद्धिकरण में 3 करोड़ से अधिक ऐसे मतदाता सामने आए हैं, जिनका कोई अता-पता नहीं है। वे कौन हैं? किस मंगल ग्रह पर चले गए? कोई जानकारी नहीं है। वैसे यह बेहद अजीब स्थिति है, क्योंकि उनके नाम मतदाता सूची में रहे हैं। जाहिर है कि उन्होंने मतदान भी किया होगा! वे 'दिवंगत' की सूची में भी नहीं हैं। उप्र के सीईओ नवदीप रिणवा ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि उप्र में 7-8 लाख लोग ऐसे रहे, जिन्होंने अधिकृत फॉर्म भर कर नहीं लौटाए। बीएलओ बार-बार उनके आवास पर गए। अब तो उन्होंने मिलना ही बंद कर दिया है। क्या उन्हें 'घुसपैठिए' अथवा 'फर्जी मतदाता' मान लिया जाए? ऐसे 3 करोड़ से अधिक 'पूर्व मतदाताओं' को गृहमंत्री अमित शाह ने 'बांग्लादेशी घुसपैठिए' करार दिया है। मगर सवाल है कि यह आंकड़ा अचानक कहां से आ गया।

चुनाव आयोग ने राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को लिखित निर्देश दिए हैं कि पुराने मतदाता भी फॉर्म 6 भर सकते हैं और इस तरह अधिकृत मतदाता बन सकते हैं। जिनके नाम मतदाता सूची में थे और एसआईआर के दौरान हटा दिए गए, वे मतदाता फॉर्म 6 के जरिए नया आवेदन कर 'मतदाता' बन सकते हैं। एसआईआर के दौरान यह व्यवस्था नहीं थी, बल्कि चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 के साथ एक हलफनामा भी जोड़ दिया था, जिसमें घोषणा करना 'अनिवार्य' तय किया गया था कि वह पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन कर रहा है। उस हलफनामे में माता-पिता, दादा-दादी आदि के मतदाता होने की भी घोषणा करनी पड़ती थी। यह मामला अब सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, लेकिन चुनाव आयोग को 'बुद्धू की तरह लौट कर घर आना' पड़ा है। अब कोई भी फॉर्म 6 भर कर मतदाता बन सकता है। देश के जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 31 के तहत ऐसा करना 'दंडनीय अपराध' है। यदि पुराना मतदाता फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करता है, तो उसे एक साल जेल की सजा तक हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने व्यवस्था दी थी कि जिनके नाम छूट गए हैं या गायब हैं अथवा काट दिए गए हैं, वे फॉर्म 6 के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। उनके खिलाफ कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा और न ही उन्हें सजा होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी इसी आशय की बात कही थी।

कुछ अलग

अधूरेपन के मिथ्या आंकड़े

इस देश में नेतागण चाहे देश के लोगों के हमदर्द, हमराज और मेहरबान कहलाते हैं, लेकिन केवल चुनाव के दिनों में। तब उन्हें वोटरों की घिसी हुई चौखट की पहचान भी भलीभांति हो जाती है। अपनी जाति अपने धर्म के लोग ही उपकार योग्य हैं। छहत्तर वर्ष से धर्मनिरपेक्ष घोषित देश की यही प्राथमिकता बन गई है। उन्हीं की दहलीज पहचानो और उनके गलत कामों को सही करवा देने का वायदा करो, वोट तुम्हें गठरों में पड़ जाएंगे। जीत गए तो चुनाव करवाने वाली मशीनों का जय-जयकार, हार गए तो इन मशीनों में दोष ही दोष। 'चुनाव मशीन से नहीं, बैलेट से करवाओ' का नारा उठाओ। यह जीतना भी एक भ्रम से पैदा होता है। लोगों में अपने आप को उनका अनन्य सेवक होने का भ्रम पैदा करो या उनके गलत काम सही करवाने वाला। जितना अधिक गलत लोगों का समर्थन बटोर सको, उतना ही अपनी विजय निश्चित जानो।

दृष्टि कोण

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत इंडी गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (PDA) वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं। ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है? भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं: तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्वः 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया।

एसआईआर पर चर्चा से भागेगी कांग्रेस, उसके पास न सच है और न ठोस मुद्दा : अश्विनी वैष्णव

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस एसआईआर पर संसद में चर्चा से बचने के लिए वॉकआउट करेगी, क्योंकि उसके पास न सच है और न ही कोई ठोस मुद्दा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र का मूल आधार है और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संविधान के अनुरूप निर्धारित प्रक्रिया है, जो वर्ष 1947 के बाद से कई बार अपनाई जा चुकी है। वैष्णव बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं



को वर्षों की मेहनत, कानूनों, संसद और देश के नागरिकों के योगदान से मजबूत बनाया गया है। कांग्रेस इन संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाकर लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा को प्रभावित कर रही है। भाजपा और एनडीए ने इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाने का निर्णय किया है। केंद्रीय मंत्री ने एसआईआर, ईवीएम और मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस से छह सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पहले भी होती रही है, ऐसे में कांग्रेस को अब इस पर सवाल उठाने का क्या औचित्य है? उन्होंने कहा कि ईवीएम कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में लाई गई थीं। इनके आने से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी और बूथ लूटने तथा मतपेटियों में गड़बड़ी जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिली। ऐसे में कांग्रेस अब ईवीएम पर सवाल क्यों उठा रही है? वैष्णव ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की कांग्रेस की मांग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग पर एमएलसी चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए। यदि इसके बावजूद कांग्रेस सीटें नहीं जीत पाई तो क्या वह बैलेट पेपर से चुनाव कराने की अपनी मांग वापस लेगी? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या कांग्रेस चाहती है कि गैर-नागरिकों के नाम मतदाता सूची में रहें, दिवंगत व्यक्तियों के नाम नहीं हटाए जाएं और एक ही व्यक्ति का नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज रहे? केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह वास्तव में संविधान में विश्वास करती है और क्या संसद में सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है? उन्होंने कहा कि संविधान के तहत गठित संस्थाओं का सम्मान करना और निर्धारित प्रक्रियाओं को मजबूत करना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। वैष्णव ने कहा कि संसद देश की सबसे बड़ी पंचायत और संविधान द्वारा स्थापित महत्वपूर्ण संस्था है। सरकार सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है। कांग्रेस एसआईआर पर चर्चा चाहती है तो संसद में अपनी मांग रखे। आवश्यकता पड़ने पर विशेष सत्र बुलाने से भी सरकार पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले भी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग करती रही है, लेकिन चर्चा के दौरान उसके नेता सदन से बाहर चले जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर पर चर्चा के दौरान भी कांग्रेस वॉकआउट करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए 1975 के आपातकाल, कैबिनेट में स्वीकृत अध्यादेश को प्रेस क्लब में फाड़ने और राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के गठन का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने समय-समय पर संवैधानिक व्यवस्थाओं से अलग समानांतर व्यवस्थाएं खड़ी करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति वोट बैंक पर केंद्रित रही है, जबकि अब देश की जनता विकास की राजनीति चाहती है। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के 140 करोड़ नागरिक समृद्ध, सशक्त और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं का सम्मान करना सभी राजनीतिक दलों का दायित्व है। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा और प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ उपस्थित रहे।

राहुल गांधी पर दिए बयान से बिहार में सियासी बवाल

अजीत शर्मा ने कहा हिमंता विश्व शर्मा का मानसिक संतुलन बिगड़ा, मांगें माफी

भागलपुर (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर की गई विवादित टिप्पणी के बाद बिहार की राजनीति में उबाल आ गया है। पूर्णिया में भाजपा की *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* पदयात्रा के दौरान असम के मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को *बड़ा पागल* बताते हुए उन्हें बांग्लादेश भेज देने की बात कही थी। इस अमर्यादित बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तीन बार विधायक रह चुके पूर्व सीएलपी लीडर अजीत शर्मा ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया दी है और असम के मुख्यमंत्री पर तीखा पलटवार किया है। भागलपुर में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस नेता अजीत शर्मा ने असम के मुख्यमंत्री पर निशाना साधने के लिए मुहावरे का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि हाथी चले बाजार, कुत्ता भौंके हजार। अजीत शर्मा ने आरोप लगाया कि हिमंता विश्व शर्मा का मानसिक संतुलन पूरी तरह खराब हो चुका है और वर्तमान में उन्हें तुरंत इलाज की जरूरत है। शर्मा के राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए अजीत शर्मा ने कहा कि भाजपा में शामिल होने से पहले हिमंता विश्व शर्मा खुद कांग्रेस पार्टी में थे। उस दौर में राहुल गांधी से मुलाकात करने के लिए वे घंटों इंतजार किया करते थे। कांग्रेस नेता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब हिमंता विश्व शर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, तो उन्होंने खुद को बचाने के लिए



कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। आज वही व्यक्ति अपने पुराने नेता के खिलाफ इस तरह की घटिया और अमर्यादित टिप्पणी कर रहा है। अजीत शर्मा ने असम के मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि राहुल गांधी देश की एक बेहद प्रतिष्ठित और बड़ी राजनीतिक पार्टी के शीर्ष नेता हैं। हिमंता विश्व शर्मा को सूर्य को आईना दिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। लोकतंत्र में इस तरह की अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना किसी भी मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। कांग्रेस के पूर्व सीएलपी लीडर ने असम के मुख्यमंत्री से पुरजोर मांग की है कि वे देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने और राजनीतिक शुचिता का सम्मान करते हुए अपने इस विवादित बयान के लिए राहुल गांधी और पूरे देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

पंजाब में 3 फीसदी डीए बढ़ोतरी से कर्मचारी और पेंशनभोगी नाराज, 13 नवंबर से आंदोलन का एलान



चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार के महंगाई भत्ते (डीए) में तीन प्रतिशत बढ़ोतरी किये जाने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में नाराजगी है। प्रदेश के करीब चार लाख कर्मचारियों और साढ़े तीन लाख पेंशनभोगियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों ने इस घोषणा को अपर्याप्त बताते हुए 13 नवंबर से महीनेभर आंदोलन करने का ऐलान किया है। कर्मचारी और पेंशनभोगी संगठनों की संयुक्त समन्वय समिति के नेताओं सुखचैन खेड़ा और गुरनाम सिंह विर्क ने बताया कि आंदोलन की शुरुआत 13 से 19 नवंबर तक संगरूर में पक्के धरने से होगी। पहले यह धरना चंडीगढ़ में प्रस्तावित था, लेकिन अब स्थान बदल दिया गया है। इसके बाद 1 से 5 दिसंबर तक कर्मचारी और पेंशनभोगी आम आदमी पार्टी के सभी 91 विधायकों के आवासों के बाहर प्रदर्शन करेंगे और पार्टी के पुतले जलाएंगे। 6 दिसंबर को पुतलों की राख लुधियाना के बुड्ढा नाले में विसर्जित की जाएगी। आंदोलन के अंतिम चरण में 13 दिसंबर को शंभू से अमृतसर तक मानव शृंखला बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक दिन पहले कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की थी, जिससे डीए बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया है। सरकार पर इससे हर महीने करीब 90 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। दो महीने पहले आठ प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा भी की गई थी। मुख्यमंत्री के मुताबिक दोनों किस्तों से सालाना 3, 988 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च होगा। हालांकि, कर्मचारी संगठनों का कहना है कि उनकी प्रमुख मांगें अब भी लंबित हैं। इनमें पुरानी पेंशन योजना लागू करना, शेष 10 प्रतिशत डीए जारी करना, बकाया राशि का भुगतान, छठे वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करना तथा पुराने वेतनमान और भत्ते बहाल करना शामिल है। संयुक्त समन्वय समिति के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों को देश में सबसे अधिक वेतन मिलने का भ्रामक दावा कर रही है। सुखचैन खेड़ा ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के अंत में केवल सात प्रतिशत डीए लंबित था, जबकि अकाली-भाजपा सरकार ने कोई बकाया नहीं छोड़ा था।

विपक्ष के थिंक टैंक में चरमपंथी विचारधारा के लोगों का प्रभाव, लोकतंत्र के नाम पर फैला रहे भ्रम : भूपेंद्र यादव

पटना (हिंस)। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को पटना में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर लोकतंत्र के नाम पर भ्रम फैलाने और अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के थिंक टैंक में चरमपंथी विचारधारा के लोगों का प्रभाव है, जो लोकतंत्र के नाम पर भ्रम फैला रहे हैं। भूपेंद्र यादव ने कहा कि बिहार की धरती लोकतंत्र की प्रेरणादायी भूमि रही है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में बिहार का महत्वपूर्ण योगदान है। जब कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया था, तब जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार से ही लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प और संघर्ष शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि बिहार में काम करते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक परंपराओं, विचार-विमर्श और जनभागीदारी का महत्व सीखा है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची के पुनरीक्षण का अधिकार है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं



के नामों को दुरुस्त करना तथा पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है। वर्ष 1950 से 2024 तक आठ बार गहन पुनरीक्षण हो चुका है। पहले किसी राजनीतिक दल ने इस सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया का विरोध नहीं किया। भाजपा नेता ने कहा कि बिहार में लगभग 7.89 करोड़ मतदाताओं के लिए घर-घर जाकर सत्यापन किया गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों को प्रारूप सूची उपलब्ध कराई गई थी। सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान सामने आया कि 1.60 लाख बीएलए में से केवल दो आपत्तियां दर्ज कराई गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 89 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने का दावा किया, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा फॉर्म-7 भरने को कहे जाने के बावजूद आपत्तियां दर्ज नहीं कराई गईं। यादव ने कहा कि विपक्ष को यदि मतदाता सूची पर वास्तविक आपत्ति थी, तो उसे संवैधानिक प्रक्रिया के तहत सामने आना चाहिए था। केवल राजनीतिक बयानबाजी से लोकतंत्र मजबूत नहीं होता। भूपेंद्र यादव ने विपक्षी दलों के थिंक टैंक में चरमपंथी विचारधारा के लोगों के प्रभाव होने की बात करते हुए कहा कि कांग्रेस, राजद और समाजवादी पार्टी के निर्णयों पर ऐसे लोगों का प्रभाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए लोकतंत्र के नाम पर भ्रम फैलाते हैं। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संवाद और जनविश्वास को कमजोर करती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव में जीतने पर लोकतंत्र की जीत बताता है और हारने पर चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। केरल में जीत को लोकतंत्र की जीत बताने वाले दल बिहार और अन्य राज्यों में हारने पर एसआईआर और ईवीएम को दोष देते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत-हार का संबंध जनता के विश्वास से होता है। विपक्ष का जनता से जुड़ाव कमजोर हुआ है, इसलिए वह चुनावी परिणामों के बाद बहाने तलाशता है। भूपेंद्र यादव ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा भाजपा की पंच निष्ठाओं में प्रथम है। भाजपा का अभियान जनता के बीच सच्चाई पहुंचाने, भ्रम दूर करने और सामाजिक एकता बनाए रखने के लिए है। एक व्यक्ति, एक वोट का सिद्धांत तभी प्रभावी होगा, जब पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जाए और अपात्र प्रविष्टियों को हटाया जाए। अवैध घुसपैठ के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह गंभीर विषय है और संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मतदाता की पात्रता में भारतीय नागरिकता तथा 18 वर्ष की आयु महत्वपूर्ण है।

मतदाता सूचियों में बदलाव को लेकर कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल : अजय शर्मा

बीकानेर (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के *वोट बचाओ, देश बचाओ* अभियान के राजस्थान पर्यवेक्षक अजय शर्मा ने मतदाता सूचियों में बदलाव को लेकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज देश के सामने सबसे बड़ा सवाल जनता के मताधिकार को सुरक्षित रखने का है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग की भूमिका के चलते मतदाता सूचियों में बदलाव हो रहे हैं, जिससे आम नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। शर्मा गुरुवार को रानी बाजार स्थित बीकानेर देहात कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक गांधी अंग्रेजों से लड़े थे, दूसरा गांधी चोरों से लड़ रहा है। इस टिप्पणी के साथ उन्होंने मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस के अभियान की आवश्यकता बताई। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए और कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पर जनता का विश्वास कायम रहना जरूरी है। शर्मा ने कहा कि चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने की शिकायतें सामने आती हैं। वहीं, चुनाव संपन्न होने के बाद कुछ नामों को दोबारा जोड़ने संबंधी आदेश जारी होने की बातें भी



सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायतों और प्रक्रियाओं की पारदर्शी जांच होनी चाहिए, ताकि मतदाताओं के अधिकारों को लेकर किसी तरह का संशय न रहे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा सर्वोपरि है। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना जरूरी है, जिससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता बनी रहे और आमजन का निर्वाचन व्यवस्था पर भरोसा कायम रहे। प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस शहर अध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल, देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, एआईसीसी प्रोफेशनल कांग्रेस के कोऑर्डिनेटर रोहित जून, पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल, महापौर अनिल कल्ला, लूणकरनसर के पूर्व प्रत्याशी डॉ. राजेन्द्र मूण्ड, पूर्व जिलाध्यक्ष यशपाल गहलोत और प्रदेश महासचिव जियाउर रहमान सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

राजस्थान हाईकोर्ट : मुख्य सचिव-कार्मिक विभाग के अतिरिक्त प्रमुख सचिव को तीन दिसंबर को न्यायालय में हाजिर होने के आदेश

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर और न्यायाधीश चंद्रशेखर शर्मा ने आदेश दिया कि राज्य सिविल सेवा अपीलेट अधिकरण की जोधपुर स्थाई पीठ में इस माह में सदस्य की नियुक्ति नहीं होने पर राज्य के मुख्य सचिव/कार्मिक विभाग के अतिरिक्त प्रमुख सचिव को तीन दिसंबर को न्यायालय में हाजिर होना होगा। राजस्थान हाइकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी, दिलीप सिंह उदावत, शीतल कुंभट और अरुण झांझरिया ने बहस करते हुए कहा कि रेट की स्थाई पीठ, जोधपुर में सदस्य की मृत्यु होने से पद रिक्त है और हाईकोर्ट ने पांच अगस्त, नौ और 17 सितंबर को अविलंब पद भरने के निर्देश दिए, लेकिन राज्य सरकार कुछ भी कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे लंबित पत्रावलियों का अम्बार लग गया है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार ने इस ओर जल्द ही कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष के अलावा भरती नियमों में 65 वर्ष की आयु तक ही सेवा प्रावधान है इसलिये न्यायालय द्वारा पूर्व में पारित आदेश में संशोधन किया जाएं और जिनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित है, उनके सेवा विस्तार से छूट दी जाएं।

पंचायत चुनाव में वोटिंग के बीच बवाल : कहीं प्रत्याशी से मारपीट तो कहीं फर्जी मतदान पर लाठीचार्ज

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव के तीसरे चरण में गुरुवार को सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान के साथ कई जगह विवाद और हंगामे की घटनाएं भी सामने आई है। कहीं फर्जी मतदान के आरोप ने माहौल गर्म कर दिया तो कहीं सरपंच प्रत्याशी के साथ मारपीट हो गई। तीसरे चरण में सरपंच के 3716 और वार्ड पंच के 34, 218 पदों के लिए मतदान हो रहा है। शाम 6 बजे मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू होगी और देर रात तक परिणाम आने की संभावना है। एक बजे तक 46.15 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दूसरी ओर लोकतंत्र के उत्सव में उम्र भी आड़े नहीं आई। टोंक में 105 साल की बुजुर्ग व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचीं, जबकि चित्तौड़गढ़ में पैर में फ्रैक्चर के बावजूद एक मतदाता वोट डालने पहुंचा। सीकर की भोज्या की ढाणी पंचायत में सरपंच प्रत्याशी अरुण पारीक के साथ मारपीट का मामला सामने आया। आरोप है कि प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी किशोर कुमार कुमावत और उसके करीब 50 समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की। घायल अरुण को एसके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी पत्नी ने धमकी देने, मारपीट करने और सोने की चेन तोड़ने के आरोप लगाए हैं। जालोर के चितलवाना में फर्जी मतदान के आरोप को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। एक प्रत्याशी के समर्थकों ने दूसरे पक्ष पर फर्जी मतदान कराने का आरोप लगाते हुए मतदान केंद्र के बाहर धरना शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर कुछ लोगों ने बूथ में प्रवेश कर मतदान रोकने का प्रयास किया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा और करीब 12 लोगों को हिरासत में लिया। भूपालसागर ग्राम पंचायत के मतदान केंद्र पर फर्जी मतदान के आरोप से माहौल गरमा गया। कुछ लोगों ने एक कर्मचारी पर फर्जी वोटिंग करवाने का आरोप लगाया। सूचना पर ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। रिटर्निंग अधिकारी के पहुंचने के बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर भीड़ को हटाया और स्थिति को नियंत्रित किया। हनुमानगढ जिले के नोहर पंचायत समिति की रतनपुर ग्राम पंचायत में सरपंच प्रत्याशियों के समर्थक आपस में भिड़ गए। मतदान केंद्र पर भीड़ बढ़ने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को हटाया। यह मतदान केंद्र अतिसंवेदनशील बूथों में शामिल बताया गया है। टोंक के दूनी तहसील क्षेत्र की चांदसिंहपुरा ग्राम पंचायत में 105 वर्षीय डाका देवी व्हीलचेयर पर बैठकर मतदान करने पहुंचीं। वहीं दौसा के सैंथल में 28 वर्षीय नसीबन खां ने मतदान किया, जिनकी लंबाई एक फीट बताई गई।

उत्तर प्रदेश को किस दिशा में लेकर जाना है, आज फैसला लेना है : चिराग पासवान



वाराणसी (हिंस)। वाराणसी में जगतपुर स्थित जगतपुर इंटर कॉलेज में लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नव संकल्प कार्यक्रम में कहा कि बाबा विश्वनाथ की नगरी में कुछ सपने कुछ वादे लेकर आया हूं। आज हम लोगों को फैसला लेना है कि उत्तर प्रदेश को किस दिशा में लेकर जाना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि मैंने अपने पिता रामविलास पासवान को देखा है, उन्होंने किस तरह से अपना जीवन अगली पीढ़ी के लिए बिताया है। फिर भी हम लोग आज भी मूलभूत व्यवस्थाओं के लिए जूझ रहे हैं। छोटी-छोटी सुविधा आज भी हम लोगों के लिए बड़ा संघर्ष बन जाती हैं। हम लोगों को कभी जाति के नाम पर ठुकराया गया, तो कभी धर्म के नाम पर ठुकराया गया। आज उत्तर प्रदेश का युवा देश के कोने-कोने में जाकर अपना जीवन काट रहा है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोग हमें क्या सामाजिक न्याय देंगे। आजादी के बाद देश में कांग्रेस की सरकार थी। देश संविधान से चलता है और उसके रचयिता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की एक फोटो भी इस कांग्रेस की सरकार में नहीं टांगी गई। इस अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के विभिन्न पदाधिकारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

भाजपा की पदयात्रा में तिरंगा थामे आगे बढ़े मुख्यमंत्री योगी

बोले, कांग्रेस -सपा देश के विकास में रोड़े अटका रहें, अराजकता बढ़ा रहें

गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजियाबाद में भाजपा द्वारा आयोजित *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* पदयात्रा में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी मंच पर पहुंचे और कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उनका भाषण शुरू होते ही लोगों ने भगवान राम, हनुमान, कृष्ण और महादेव के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। इस बीच योगी ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए किए गए संघर्ष को याद करते हुए समाजवादी पार्टी को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की एक ऐसे स्कूली छात्र है, जो बार-बार परीक्षा में फेल होता है और हर बार नए बहाने बनाता है। कभी सिलेबस न जानने का, कभी कॉपी बदले जाने का, तो कभी पेन की स्याही खत्म होने का। सीएम योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक अराजकता से देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरूक है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपनी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इस दौरान



क्षेत्रीय विकास पर बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद में उत्तराखण्ड भवन के निर्माण की घोषणा की और क्षेत्र के चौमुखी विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि सपा ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। कांग्रेस ने मंदिर निर्माण की राह में रोड़े अटकाये थे। फिर भी आज अयोध्या में त्रेतायुग का रामयुग आ गया है। उन्होंने दावा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके कार्यकाल में 4 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन के खिलाफ दूधेश्वर नाथ की जमीन पर इकट्ठा हुए है। कांग्रेस स्वार्थ के लिए दुनिया के सबसे प्राचीन लोकतंत्र पर सवाल उठा रही है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना कांग्रेस का काम हो गया है। ये वही कांग्रेस है जिसने 1975 में आपातकाल लागू किया। ऐसे लोगों का लोकतंत्र की बात करना हास्यास्पद लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को मौके मिला तो कॉमनवेल्थ, कोल, समेत लाखों करोड के घोटाले और सुरक्षा को सेंध लगाने के बाद जनता में विश्वास खो दिया। मोदी सरकार में भारत की बदलती तस्वीर को देखा है। 2014 से पहले आतंकवाद नक्सलवाद, भ्रष्टारचार था। अब इससे मूक्त है। भारत आज टॉप 4 अर्थव्यवस्था में है। कांग्रेस और उनके सहयोगी आज सिर्फ बैरियर बनना चाहते हैं और सुरक्षा को सेंध लगने के बाद जनता में विश्वास खो दिया। मोदी सरकार में भारत की बदलती तस्वीर को देखा है। 2014 से पहले आतंकवाद, भ्रष्टाचार था। अब इससे मुक्त है। भारत आज टॉप- 4 अर्थव्यवस्था में है। कांग्रेस और उनके सहयोगी आज सिर्फ बैरियर बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और उसके सहयोगी दल के दिल्ली में प्रदर्शन के पीछे कारण क्या है। एक ही कारण है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत ने पहचान बनार्ड है, विरासत और विकास की यात्रा को शानदार तरीके से आगे बढाने का काम किया है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल सिर्फ कटघरे में खडा करके रुकावट बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस के युवराज की स्थिति ये हो गई है कि वह बार-बार फेल हो जाता है। जब रिजल्ट का पूछा तो बोलते है मैंने तो लिखा था लेकिन मास्टर जी ने कॉपी बदल दी। फिर दोबारा रिजल्ट आने पर कहा कि इस बार पेपर में प्रश्न सेलेबस के बाहर के थे। तीसरी बार पूछने पर कहा कि मैं जब पेपर लिखने बैठा तो पेन की स्याही समाप्त हो गई। चौथी बार भी पास नहीं होता है। इस बार कहते हैं कि सामने वाला तेजी से लिख रहा था। जिससे ध्यान भटक गया। ऐसी स्थिति कांग्रेस की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में कहा के राम लला 500 वर्ष तक गुलामी या तंबू में रहने को मजबूर थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा राम भक्तों से लड़ते थे, जबकि आज अयोध्या में त्रेता युग का स्मरण होता है। योगी ने दलितों के लिए लाखों प्रधानमंत्री आवास बनने और गाजियाबाद में पूर्वांचल व उत्तराखंड भवन के निर्माण का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पहले सडकों पर गड्ढे थे, लेकिन अब एक्सप्रेसवे की श्रृंखला है और सार्वजनिक परिवहन को बेहतर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर किसानों को सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसानों को आर्थिक सहायता और तकनीक से जोडा गया है। गाजियाबाद में भाजपा की *लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ* पदयात्रा हो रही है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी मंच पर पहुचे और कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर हमला बोला। मंच पर मुख्यमंत्री योगी के भाषण शूरू होते ही लोगों ने भगवान राम, हनुमान, कष्ण और महादेव के जयकारे लगाए। डसके पहले गाजियाबाद सांसद, यपी कैबिनेट मंत्री सनील शर्मा और विधायक मुरादनगर अजीतपाल त्यागी ने मंच से अपनी बात कही। मंच से संबोधन के बाद मृख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भव्य पदयात्रा पहुंची।



सर्राफा बाजार में और महंगा हुआ सोना, हाजिर चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 3,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। दूसरी ओर, एमसीएक्स पर उछाल आने के बावजूद सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरुआती कारोबार में भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है।

भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,42,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

महिंद्रा और टाटा की 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में नए माडल लाने की तैयारी



नई दिल्ली। महिंद्रा और टाटा मोटर्स आने वाले समय में 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में कई नए माडल लाने की तैयारी कर रही हैं। महिंद्रा अपनी लोकप्रिय स्कार्पियो-एन का एक और फेसलिफ्ट 2027 में पेश कर सकती है। इसमें नया फ्रंट डिजाइन, गोल हेडलैंप, बड़ी ग्रिल, नए एलईडी हेडलैंप और संशोधित बंपर जैसे बाहरी बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जो हाल ही में शोकेस की गई स्कार्पियो लाइफस्टाइलर पिकअप से प्रेरित हो सकते हैं। इसके डैशबोर्ड और फीचर्स में भी अपडेट की उम्मीद है। इंजन विकल्प मौजूदा 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल और 2.2-लीटर डीजल इंजन ही रहने की संभावना है, साथ ही मैन्युअल और आटोमैटिक गियरबाक्स व कुछ वेरिएंट में 4-व्हील ड्राइव का विकल्प भी मिलेगा। महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ का स्ट्रान्ग-हाइब्रिड वर्जन भी विकसित कर रही है, जिसे 2026 के अंत तक लान्च किया जा सकता है। इस हाइब्रिड एसयूवी में मौजूदा 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर और छोटी बैटरी होगी, जिससे शहर में ड्राइविंग के दौरान बेहतर माइलेज मिलेगा और कुछ स्थितियों में यह केवल इलेक्ट्रिक पावर पर भी चल सकेगी। इसकी बैटरी क्षमता, कुल पावर और माइलेज से जुड़ी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय 7-सीटर एसयूवी सफारी का इलेक्ट्रिक वर्जन, सफारी ईवी, जनवरी 2027 में लाने की तैयारी में है। यह कंपनी की पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जो 6-सीटर और 7-सीटर दोनों कान्फिगरेशन में आ सकती है।

सालाना आधार पर होंडा कुल बिक्री में 23.16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज



नई दिल्ली। बीते अक्टूबर महीने के दौरान होंडा कार्स इंडिया कंपनी की कुल बिक्री में सालाना आधार पर 23.16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जहाँ कुल 8,082 गाड़ियाँ बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने 10,518 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। कंपनी के लिए अक्टूबर 2026 में बिक्री के आंकड़े मिले-जुले रहे। घरेलू बाजार में कंपनी ने अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की, जो मुख्य रूप से त्योहारों के दौरान बढ़ी मांग और नई लान्च हुई एलिवेट एसयूवी को मिले सकारात्मक प्रतिक्रिया के कारण हुई। अक्टूबर 2026 में होंडा ने घरेलू मार्केट में 7,609 गाड़ियाँ बेचीं, जो पिछले साल अक्टूबर के 6,394 यूनिट्स के मुकाबले 19 प्रतिशत अधिक है। सितंबर 2026 की तुलना में भी घरेलू बिक्री में सुधार देखा गया, जब कंपनी ने 4,465 गाड़ियाँ बेची थीं। कंपनी के अनुसार, नई एलिवेट को उसके आकर्षक डिजाइन, बेहतर फीचर्स और एसयूवी लुक के कारण ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। होंडा कार्स इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग और सेल्स) कुनाल बेहल ने त्योहारों की मांग और विभिन्न माडलों को मिल रहे समर्थन को अक्टूबर की बिक्री के लिए महत्वपूर्ण बताया। कुल बिक्री में गिरावट का मुख्य कारण निर्यात में भारी कमी रही।

एक्सिस बैंक ने कैश जमा और निकालने पर लगाई लिमिट, मिनिमम बैलेंस पर चार्ज बढ़ाया

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए नकद जमा और निकासी से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं, जो 1 दिसंबर 2026 से प्रभावी होंगे। इन बदलावों का असर घरेलू, एनआरआई ईजी एक्सेस, कृषि, और कुछ अन्य बचत खातों पर पड़ेगा। बैंक ने फ्री कैश ट्रांजैक्शन की संख्या घटाने के साथ-साथ मिनिमम बैलेंस न रखने पर लगने वाले मासिक चार्ज को भी बढ़ा दिया है, जिससे ग्राहकों को अपने वित्तीय लेनदेन की योजना बनाते समय इन नए नियमों का ध्यान रखना होगा। नए नियमों के मुताबिक ईजी एक्सेस, कृषि, घरेलू सेविंग्स अकाउंट और एनआरआई ईजी एक्सेस के ग्राहकों के लिए महीने में फ्री कैश ट्रांजैक्शन की संख्या चार से घटाकर तीन कर दी जाएगी। हालांकि, कुल कैश लेनदेन की लिमिट, जो अभी 1 लाख रुपए है, फिलहाल पहले जैसी ही रहेगी। इसका मतलब है कि ग्राहक महीने में तीन बार तक मुफ्त में नकद लेनदेन कर सकेंगे, लेकिन यदि वे इस सीमा को पार करते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। यह परिवर्तन बैंक ग्राहकों को अपनी नकद लेनदेन की आदतों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करेगा। बैंक ने मिनिमम बैलेंस न रखने पर लगने वाले जुर्माने में भी बढ़ोतरी की है। अर्ध-शहरी शाखाओं में ईजी एक्सेस अकाउंट के लिए अधिकतम मासिक चार्ज 300 से बढ़ाकर 600 रुपए कर दिया गया है। इसी तरह एनआरआई ईजी एक्सेस अकाउंट के लिए अर्ध-शहरी और ग्रामीण शाखाओं में यह पेनल्टी 300 से बढ़कर 600 रुपए होगी, जबकि ग्रामीण शाखाओं में यह 150 रुपए से बढ़ाकर 600 रुपए की जाएगी। मेट्रो और शहरी शाखाओं में अधिकतम चार्ज 600 रुपए ही रहेगा।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान शानदार बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में जोरदार तेजी दर्ज की गई थी। दूसरी ओर, एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। हालांकि भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत काफी मजबूत नजर आ रहे हैं।



अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट पर बेहतरीन रिकवरी देखने को मिली। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स की जीत के बाद राजनीतिक अनिश्चितता कम होने से निवेशकों में उत्साह बना हुआ नजर आया, जिससे सूचकांकों में मजबूती आई। हालांकि, एआई को लेकर कड़े नियमों की आशंका के चलते डेटा सेंटर कंपनियों के शेयरों में कुछ गिरावट भी दर्ज की गई। सत्र में डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1,569.40 अंक यानी तीन प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 53,356.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स 119.70 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,688.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसके साथ ही टेक कंपनियों से जुड़े नैस्डैक कंपोजिट ने भी 364.50 अंक यानी 1.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,736.51 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल 119.18 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,475.30 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तर्ज पर यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदार पूरी तरह हावी रहे। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 573.05 अंक यानी 2.17 प्रतिशत की बड़ी बढ़त दर्ज करते हुए 26,437.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 157.58 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 8,177.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स भी 190.78 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की मजबूती दिखाते हुए 10,829.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट के इन संकेतों के बीच एशियाई बाजार में सुबह मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से पांच के सूचकांक बिकवाली के दबाव में लाल निशान में बने हुए हैं, जबकि चार सूचकांकों में फिलहाल बढ़त बनी हुई है। राहत की बात यह है कि भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह तेज उछाल का रुख बना हुआ है, जो घरेलू बाजार के लिए बेहतरीन संकेत हैं। फिलहाल यह सूचकांक 418 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 24,368 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इसके अलावा हान्गकान्ग के शेयर बाजार में भी जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। यहां हैंगसेंग इंडेक्स फिलहाल 736.50 अंक यानी 3.08 प्रतिशत की बड़ी बढ़त के साथ 24,656 अंक के स्तर पर आ गया है। इंडोनेशिया के बाजार में भी खरीदार एक्टिव नजर आ रहे हैं, जिसके चलते जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 111.81 अंक यानी 2.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,031.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 3.62 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की मामूली उछाल के साथ 3,689.79 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स कमजोरी के साथ लाल निशान में पहुंचा हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 793.63 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,395 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी मंदी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है, जहां चौतरफा बिकवाली के दबाव से फिलहाल यह सूचकांक 250.99 अंक यानी 4.42 प्रतिशत की जोरदार गिरावट के साथ 5,432.81 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान स्टाक एक्सचेंज में भी जबरदस्त कमजोरी का माहौल बना हुआ है, जहां मुनाफावसूली के कारण ताइवान वेटेड इंडेक्स 874.44 अंक यानी 2.04 प्रतिशत फिसल कर 42,074.47 अंक के स्तर पर आ गया है। थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में भी सुस्ती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 9.35 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,492.74 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी मामूली दबाव के बीच काम करता नजर आ रहा है। यह सूचकांक फिलहाल 1.35 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक सुस्ती के साथ 5,290.49 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

अक्टूबर में गोल्ड ईटीएफ निवेश में 26 फीसदी की गिरावट



नई दिल्ली

अक्टूबर महीने में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों की दिलचस्पी कम होती दिखी है। इस अवधि में गोल्ड ईटीएफ में लगभग 3,300 करोड़ रुपये का नया निवेश आया, जो सितंबर के 4,450 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 26 फीसदी कम है। सितंबर में यह आंकड़ा पिछले सात महीनों का उच्चतम स्तर था।

इस गिरावट के मुख्य कारण म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा गोल्ड फंड आफ फंड्स (एफओएफ) में नया निवेश रोकना और सोने की कीमतों में आई नरमी रहे। इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा गोल्ड फंड आफ फंड्स (एफओएफ) में नया निवेश बंद करना रहा।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निर्देश पर यह फैसला लिया गया था, जिसकी वजह देश में सोने का बढ़ता आयात और रुपये पर दबाव की चिंताएं थीं।

चूंकि गोल्ड एफओएफ, गोल्ड ईटीएफ में निवेश का एक प्रमुख जरिया है, इसलिए इसके बंद होने से ईटीएफ में नया पूंजी प्रवाह काफी हद तक रुक गया। सोने की कीमतों में आई नरमी भी निवेश में गिरावट की दूसरी बड़ी वजह है।

विशेषज्ञों ने निवेशकों को दी संयम बरतने की सलाह दी

सितंबर और अक्टूबर के दौरान सोने के दाम में करीब 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, वहीं रुपये में सोने की कीमत अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से लगभग 25 फीसदी नीचे आ चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में बढ़ती महंगाई की चिंताएं फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें बढ़ाने के लिए प्रेरित कर सकती हैं, जिससे अमेरिकी बान्ड यील्ड बढ़ रही है और डालर मजबूत हो रहा है। ऐसे वैश्विक परिदृश्य में, ब्याज न देने वाला सोना निवेशकों के लिए कम आकर्षक हो जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार निकट भविष्य में सोने की कीमतों पर दबाव बना रह सकता है और इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने निवेशकों को सलाह दी है कि वे एक साथ पूरी रकम लगाने के बजाय, कीमतों में गिरावट आने पर धीरे-धीरे निवेश करने पर विचार करें।

हालांकि, दीर्घकालिक पोर्टफोलियो में सोना अब भी महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह अनिश्चित समय में जोखिम कम करने और निवेश में विविधता लाने में सहायक होता है।

पृष्ठ तीन का शेष

विकास की नई राह ...

की पहचान और भविष्य में आए एक व्यापक बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ परिवहन में आया बदलाव नहीं है बल्कि यह असम की पहचान और भविष्य का कायापलट है। राज्य के हिंसक अतीत और विकास की उसकी आकांक्षाओं के बीच अंतर बताते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने इस सफर को *बंदूक की गोलियों से बुलेट ट्रेन तक* का सफर बताया। उन्होंने कहा कि बंदूक की गोलियों से बुलेट ट्रेन तक डर और दहशत वाले अतीत को पीछे छोड़कर प्रगति के नए क्षितिज की ओर बढ़ना, यही नए असम का कभी न रुकने वाला सफर है।

सीएम ने भारत रत्न ...

जाति की पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित किया और लोगों के दिलों में उनके लिए हमेशा के लिए एक विशेष स्थान बनाया। उन्होंने कहा कि महान कलाकार के गीतों और प्रस्तुतियों का साक्षी बनना लोगों के लिए वास्तव में परम सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. हजारिका की रचनाओं में समाहित मानवता, समानता और सद्भाव का संदेश आने वाली पीढ़ियों को युगों-युगों तक प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने महान कलाकार की अमूल्य सांस्कृतिक विरासत को नमन करते हुए उनके प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

बाजारों में रंग-बिरंगी ...

चहल-पहल है। यहां रंग-बिरंगी आतिशबाजी और विभिन्न प्रकार के पटाखों से दुकानें भरी हुई हैं। लोग त्योहार की तैयारियों के लिए जमकर खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, राज्यभर के कुम्हार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगर दीपावली के मद्देनजर दिन-रात दीये और मिट्टी के अन्य सामान तैयार करने में जुटे हुए हैं। त्योहार के कारण पारंपरिक मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों की व्यस्तता काफी बढ़ गई है।

असम की अपराध दर ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोषसिद्धि दर में वृद्धि मामलों के परिणामों में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है। उधर गोलीकांड में गोली लगने से घायल सत्येंद्र पाठक को गुरुवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) से छुट्टी दे दी गई। उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार होने पर अस्पताल प्रशासन ने उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी। सत्येंद्र पाठक इस सनसनीखेज गोलीकांड के प्रमुख गवाहों में से एक हैं। आरोपित घनकांत गोगोई की गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि सत्येंद्र पाठक किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह अपने घर पहुंच गए। सत्येंद्र की मां ने कहा कि भगवान ने किसी तरह उनके बेटे की जान बचा ली। दूसरी ओर, पांच लोगों की हत्या के आरोपित घनकांत गोगोई पुलिस एनकाउंटर में मारे गये थे। उनके शव का पोस्टमार्टम गुरुवार को असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच) में किया गया। परिजन आज उसका शव प्राप्त करेंगे। इधर, डिब्रूगढ़ जिले के नाहरकटिया स्थित उसके पैतृक आवास पर अंतिम संस्कार की तैयारियां की गई हैं। अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियों और बांस की व्यवस्था की गई है।

आरोपी को हिरासत में ...

सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, किसी व्यक्ति को वास्तव में कब हिरासत में लिया गया, यह महत्वपूर्ण है न कि पुलिस ने गिफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई कब पूरी की ये। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और अतुल एस चंद्राकर की पीठ ने कहा कि आरोपी को 24 घंटे के भीतर न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की संवैधानिक समयसीमा उस समये से शुरू होगी जब पुलिस ने उसे वास्तव में हिरासत में लिया हो। उन्होंने कहा कि यह समय औपचारिक रूप से गिरफ्तारी दर्ज करने या गिरफ्तारी मेमो तैयार करने के समय से नहीं गिना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक सुरक्षा के हिसाब से हिरासत और गिरफ्तारी दोनों एक ही बात है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी दोनों स्थिति में व्यक्ति की स्वतंत्रता एक हतक तक सीमित हो जाती है।

घुसपैठियों को पहले ...

पर करते हैं। संवैधानिक संस्था का सबसे अधिक अपमान करते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और देश की संवैधानिक संस्थाओं में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व खत्म हो रहा है। अमित शाह ने हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि 2024 में कांग्रेस ने लड्डू तो बनवाए लेकिन जीत भाजपा को मिली। इसके बाद महाराष्ट्र, बिहार व दिल्ली समेत कई राज्यों से कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो गया। गृहमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 व 2019 में एसआईआर नहीं थी, फिर भी कांग्रेस चुनाव हार गई। लगातार मिल रही हार से बौखलाकर कांग्रेसी एसआईआर के सिर ठीकरा फोड़ रहे हैं। इससे पहले गृह मंत्री का हरियाणा आने पर स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में भी कांग्रेस के पास आज कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस के नेता झूठ का पहाड़ खड़ा करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं। हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता इस अभियान के तहत गांव-गांव जाकर लोगों को कांग्रेस के झूठ के बारे में बता रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रभारी स्मृति ईरानी, हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण के अलावा कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, कृष्ण बेदी, कृष्ण लाल पंवार, महिपाल ढांडा समेत कई नेता मौजूद थे।

सत्ता हासिल करना...

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के साथ आवास, मुफ्त राशन, रसोई गैस, बिजली और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया है। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने असम में आईएमडीटी कानून का मुद्दा उठाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार पर घुसपैठ रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। सोनोवाल ने कहा कि चुनाव में हार के बाद ईवीएम, चुनाव आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना विपक्ष की राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। उन्होंने राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं पर सेना के शौर्य पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है।

प्रतिभावान युवाओं को आज...

ही में दिव्यांगजन की पेंशन बढ़ाए जाने के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने पेंशन के साथ दिव्यांगता का मानक 80 प्रतिशत से 40 प्रतिशत कर दिया है। पहले पेंशन के लिए 18 वर्ष की आयु होना जरूरी था। अब जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए पेंशन का रास्ता खोल दिया गया है। पैरा खेलों की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार 30 स्वर्ण, 35 रजत, 49 कांस्य के साथ 5 नए विश्व रिकॉर्ड, 9 एशियाई रिकॉर्ड भारत ने बनाए हैं। इस बार 56 महिला खिलाड़ियों में से 34 बेटियां मेडल विजेता बनी हैं। वहीं 4 स्पर्धाओं में पोडियम पर तीनों जगह भारतीय खिलाड़ी थे। प्रतियोगिता के आखिरी दिन देश ने 9 गोल्ड मेडल जीते। कार्यक्रम में एथलीट, कोच, भारतीय पैरालंपिक समिति और भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारी, राष्ट्रीय खेल संघों के प्रतिनिधि एवं युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारी शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि भारत ने इस वर्ष जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। कुल 97 भारतीय पैरा-एथलीटों ने 114 पदक जीते, जिसमें 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल हैं।

जदयू की बैठक में ...

अन्य महत्वपूर्ण पदों पर रहे, इसके बावजूद निशांत ने हमेशा सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत किया। जब पार्टी को निशांत की आवश्यकता महसूस हुई, तब उन्हें पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने जब से राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व संभाला है, तब से विभाग में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार एक शुद्ध हृदय के व्यक्ति हैं। वे जनसेवा के प्रति पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही भांति समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि अपने दृढ़ निश्चय और सरल व्यवहार से निशांत कुमार बिहार के विकास का एक नया अध्याय लिख रहे हैं। जनसेवा के प्रति उनकी तत्परता और समर्पण दर्शाता है कि वे बिहार के उज्ज्वल भविष्य हैं। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह फैसला किया गया कि एमएलसी चुनाव में जिन नेताओं ने पार्टी विरोधी काम किया है। उनके निष्कासन पर जल्द फैसला होगा। बता दें कि बैठक में चुनाव जीतने एवं हारने वाले उम्मीदवारों को बुलाया गया था।

देशभर में यूथ ...

न हो पाने की वजह से हटाया जा रहा है? राजोरिया ने बताया कि कांग्रेस पार्टी की युवा शाखा मनमाने ढंग से काम कर रही है, जबकि उन्होंने पार्टी के लिए 15 साल तक काम किया है। इस दौरान, पार्टी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने की वजह से उनके खिलाफ 15 एफआईआर दर्ज हुईं और उन्हें तीन-चार बार जेल भी जाना पड़ा। उन्होंने एक कार्ड दिखाया, जिसमें लोगों से उनके दिवंगत चाचा की तेरवीं में शामिल होने का आग्रह किया गया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस शोक के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था और यह भी बता दिया था कि वे 1 नवंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की रैली के लिए दिल्ली नहीं आ पाएंगे। सिर्फ एक कार्यक्रम में शामिल न होने पर तुरंत हटा दिए जाने के बाद राजोरिया ने सवाल उठाया है कि ऐसी परिस्थितियों में पार्टी सत्ता में लौटने की उम्मीद कैसे कर सकती है। यूथ कांग्रेस ने सबसे बड़ी कार्रवाई मध्य प्रदेश में की है, जहां 60 सदस्यों को निलंबित किया गया है। इसके बाद गुजरात में 49 और पश्चिम बंगाल में 26 सदस्यों को निलंबित किया गया है। इसके अलावा, तेलंगाना में 14, मध्य उत्तर प्रदेश में 13, कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में 13 और हरियाणा में 10 सदस्यों को निलंबित किया गया है।

13 दिसंबर को होने...

बाद बीसीसीआई ने इस अनुरोध को मान लिया और सीरीज के पहले मैच के लिए विशाखापत्तनम को नया वेन्यू तय कर दिया। दिसंबर 2026 में भारत के दौरे पर श्रीलंका की टीम तीन ओडीआई और तीन टी-20 मैच खेलेगी। पहले ओडीआई को विशाखापत्तनम शिफ्ट कर दिया गया है, जबकि बाकी पांच मैच पहले से तय जगहों पर ही खेले जाएंगे। तीन मैचों की ओडीआई सीरीज 13 दिसंबर से शुरू होगी, जिसके बाद 22 दिसंबर से टी-20 सीरीज खेली जाएगी। उधर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने आज सुबह इंडिया गेट के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 399 दर्ज किया है। यह *बहुत खराब* श्रेणी है। दिवाली का त्योहार सिर पर है। लोगों ने शाम ढलते ही पटाखे चलाने शुरू कर दिए हैं। यह तब है, जब उच्चतम न्यायालय पटाखों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। शासन और अधिकारियों की आंखों में पट्टी बंधी हुई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। सीपीसीबी के आज सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, सुबह इंडिया गेट के आसपास के इलाके में वायु गुणवत्ता सूचकांक 399 दर्ज किया गया है।

कामरूप (मेट्रो) में ...

यानी 9 नवंबर को गुवाहाटी में सरकारी दफ्तर में कोई काम नहीं होगा, स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे और बैंकों में भी अवकाश रहेगा। लोगों को अपने जरूरी काम पहले ही निपटा लेने की सलाह दी गई है।



महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल, शीर्ष पर है एमेलिया केर

नई दिल्ली

महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकार्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एमेलिया से पहले, आस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पाचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई।

वहीं भारतीय आलराउंडर दीप्ति भी इस विशिष्ट सूची का हिस्सा हैं। उन्होंने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 160 गेंदों पर 188 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उनकी इस पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। 195 मिनट तक क्रीज पर रहकर दीप्ति ने 117.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह भारतीय महिला एकदिवसीय की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट ने भी 17 अप्रैल 2024 को श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 147 गेंदों पर नाबाद 184 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 125.17 रहा।वहीं, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ने साल 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 156 गेंदों पर 182 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और दो छक्के जड़े। 116.66 के स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी महिला वनडे की बड़ी व्यक्तिगत पारियों की सूची में शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

पहली बार बीबीएल में खेलेंगे मुस्तफिजुर, मेलबर्न रेनेगेड्स ने बेहरेनडार्फ की जगह पर शामिल किया



मेलबर्न। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान पहली बार आस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते दिखेंगे। मुस्तफिजुर को लीग के 16वें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। रेनेगेड्स ने चोटिल तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडार्फ की जगह पर मुस्तफिजुर को शामिल किया है। ये बांग्लादेशी गेंदबाज अपनी अपनी विविधता के लिए जाना जाता है। वहीं इससे पहले मेलबर्न रेनेगेड्स के मुख्य गेंदबाजों में से एक बेहरेनडार्फ कंधे की सर्जरी के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं। वह बीबीएली लीग के इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी अनुपस्थिति को देखते हुए फ्रेंचाइजी ने मुस्तफिजुर को टीम में शामिल किया है। मुस्तफिजुर को अपनी धीमी गेंदों, कटर और विविधता के कारण खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए कठिन होता है। इस तेज गेंदबाज के पास लंबा अंतरराष्ट्रीय अनुभवी है। इसके अलावा उसने फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी काफी खेला है। इस गेंदबाज ने बांग्लादेश के लिए तीनों प्रारुपों में कुल 271 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इसमें 331 टी20 मैचों में 423 विकेट लिए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 16.9 का रहा है। उनके पास पावरप्ले से लेकर डेथ ओवरों तक विकेट निकालने की क्षमता है। मुस्तफिजुर के पास फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने नौ बांग्लादेश प्रीमियर लीग सत्र और आठ आईपीएल सत्र खेले हैं। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने आईपीएल का खिताब जीता था। यह उनका आईपीएल में डेब्यू सीजन भी था।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने पर मनिंदर ने उठाये सवाल



चंडीगढ। गुजरे जमाने के दिग्गज स्पिनर रहे मनिंदर सिंह ने कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा पर सवाल उठाये हैं। मनिंदर ने कहा है कि कुलदीप को किस कारण अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया जा रहा है ये समझ से परे है। मनिंदर के अनुसार कुलदीप का प्रदर्शन हमेशा ही अच्छा रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार लगता है कि टीम प्रबंधन को उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा नहीं है, इसी वजह से उन्हें हर प्रारुप में काफी कम मौके मिल रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो कुलदीप ने अपने एकदिवसीय करियर में 124 मैचों में 201 विकेट लिए हैं, जो मौजूदा भारतीय टीम के किसी भी अन्य गेंदबाज से अधिक हैं। इसके बावजूद, न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। आम तौर पर उपमहाद्वीप के बाहर टीम संतुलन की बात कहते हुए कुलदीप को बाहर रखा जाता है। इसके तहत मुख्य कोच गौतम गंभीर नंबर 8 तक बल्लेबाजी वाली टीम को प्राथमिकता दे रहे हैं। हार्दिक के नहीं होने के कारण भारत ने आमतौर पर तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को रखा है। इसी कार पिछले दो साल में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया (सेना देश) में खेले गए 35 मुकाबलों में से कुलदीप सिर्फ तीन में ही खेल पाए हैं। मनिंदर ने कहा कि कुलदीप एकदिवसीय और टी20 के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उनको जगह नहीं मिल रही है।

भारतीय हाकी के दिग्गज के घर लाखों की चोरीः 1980 ओलंपिक में जीता स्वर्ण समेत 4 पदक ले गए चोर



बंगलूरू। भारतीय हाकी टीम के पूर्व खिलाड़ी एमएम सोमैया के बंगलूरू स्थित घर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात चोर उनके घर से कीमती सामान और नकदी के साथ वह स्वर्ण पदक भी चुरा ले गए, जिसे सोमैया ने 1980 के मास्को ओलंपिक में भारतीय टीम के सदस्य के रूप में जीता था। चोरों ने उनके घर से कुल चार अंतरराष्ट्रीय पदक, सोने के आभूषण और चांदी की वस्तुओं पर हाथ साफ किया। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 3.53 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिवार के साथ बाहर गए थे सोमैया, पीछे से हुई चोरी पुलिस के मुताबिक, चोरी की यह घटना 28 अक्तूबर को बंगलूरू के एचएएल थर्ड स्टेज इलाके में हुई। यह क्षेत्र इंदिरानगर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। 67 वर्षीय पूर्व हाकी खिलाड़ी एमएम सोमैया घटना के समय अपने परिवार के साथ कोडागु की यात्रा पर गए हुए थे। एफआईआर के अनुसार, चोरी का पता तब चला जब उनके एक पड़ोसी ने घर का दरवाजा खुला देखा। उसे घर में चोरी होने का संदेह हुआ, जिसके बाद उसने सोमैया को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। सीसीटीवी में दिखे दो संदिग्ध, तोड़कर घुसे थे दरवाजा सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, 28 अक्तूबर की रात करीब 2:34 बजे दो अज्ञात व्यक्ति सोमैया के घर में दाखिल हुए थे। एफआईआर में बताया गया है कि इनमें से एक ने नीले रंग की शर्ट और दूसरे ने लाल रंग की शर्ट पहन रखी थी। दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

दक्षिण कोरिया को 8-1 से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत, खिताब के लिए जापान से भिड़ंत

मोहाली

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने हीरो एशियन चैंपियंस ट्राफी पंजाब 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हाकी स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-1 से करारी शिकस्त दी। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना जापान से होगा।



भारत की जीत में शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने दो-दो गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, अंगद बीर सिंह और विवेक सागर प्रसाद ने एक-एक गोल किया। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल हान सांगजुन ने किया।

मोहाली के इस स्टेडियम में भारत का यह पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। घरेलू दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम लीग चरण में अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर अपराजित रही थी और उसने सेमीफाइनल में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

भारत ने चौथे मिनट में शिलानंद के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, नौवें मिनट में हान सांगजुन ने कोरिया को बराबरी दिला दी। इसके तुरंत बाद कप्तान हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कार्नर पर दमदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को फिर आगे कर दिया। 13वें मिनट में गोलकीपर के बचाव के बाद मिले रिबाउंड पर शिलानंद ने अपना दूसरा गोल दागा।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय आक्रमण और तेज हो गया। सुखजीत ने 21वें मिनट में शानदार रिवर्स फ्लिक से गोल किया। इसी मिनट दिलप्रीत ने अंगद के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए भारत की बढ़त 5-1 कर दी। 25वें मिनट में हरमनप्रीत के लंबे हवाई पास को नियंत्रित कर दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल किया। मध्यांतर तक भारत 6-1 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में कोरियाई टीम को एक अतिरिक्त खिलाड़ी मैदान पर उतारने के कारण पांच मिनट का येलो कार्ड झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए अंगद ने 36वें मिनट में भारत के लिए सातवां गोल किया। आखिरी क्वार्टर में कोरिया की टीम भारतीय रक्षा पंक्ति को भेदने में नाकाम रही। 54वें मिनट में विवेक सागर प्रसाद ने शानदार व्यक्तिगत प्रयास से आठवां गोल दागकर जीत पर मुहर लगा दी। दो गोल करने वाले दिलप्रीत सिंह को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। उन्होंने जीत का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयास को देते हुए कहा कि टीम की प्राथमिकता तय रणनीति को मैदान पर लागू करना था। उन्होंने मोहाली में परिवार और प्रशंसकों के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करने को विशेष अनुभव बताया। इससे पहले जापान ने पहले सेमीफाइनल में निर्धारित 60 मिनट तक गोलरहित मुकाबले के बाद पेनाल्टी शूटआउट में मलेशिया को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। पांचवें-छठे स्थान के मुकाबले में चीन ने बांग्लादेश को 3-1 से पराजित किया।

भारत अब पांच नवंबर को शाम सात बजे जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगा। मौजूदा चैंपियन टीम की नजरें छठी बार खिताब जीतकर एशियन चैंपियंस ट्राफी में अपनी बादशाहत और मजबूत करने पर होंगी।

आमिर आईपीएल नहीं अफगान लीग में खेलेंगे



लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि वह तय कार्यक्रम के अनुसार अफगानिस्तान प्रीमियर लीग में खेलेगे। आमिर ने कहा कि ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आईपीएल में उनके खेलने की जो अटकलें लगायी जा रही हैं । वह सही नहीं हैं। आमिर ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि आईपीएल में उनके खेलने की जो बातें कही जा रही हैं वे आधारहीन हैं।

इससे पहले कहा जा रहा था कि ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बाद आमिर का इरादा आईपीएल में भी खेलने का है। इस साल की शुरुआत में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर के आईपीएल में खेलने की चर्चा शुरू हुई थी। उन्होंने हाल ही में अफगानिस्तान प्रीमियर लीग के लिए भी अपना नाम दर्ज कराया है। इसके बाद माना जा रहा था कि वह ब्रिटिश खिलाड़ी के रूप में आईपीएल में जगह बनाने के प्रयास करसकते हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व आलराउंडर अजहर महमूद भी इसी तरह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर आईपीएल में खेल चुके हैं।आमिर ने 2012 से 2015 के बीच आईपीएल में हिस्सा लिया था। वह पंजाब किंग्स की पुरानी टीम किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेले और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स का भी हिस्सा बने। आमिर ने इस साल इंग्लैंड की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता द हंड्रेड में स्थानीय खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लिया था। शुरुआत में विदेशी खिलाड़ी के तौर पर उनका नाम खिलाड़ियों की सूची में शामिल था, लेकिन बाद में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के कारण उनकी स्थिति बदल गई। स्थानीय खिलाड़ी के रूप में खेलने की शर्तों के बारे में आमिर ने पहले बताया था कि काउंटी चैंपियनशिप और द हंड्रेड जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर खेलने के लिए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना होता है। इसके तहत खिलाड़ी किसी दूसरे देश के लिए स्थानीय खिलाड़ी के रूप में नहीं खेल सकता। ।आमिर ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 एकदिवसीय और 62 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपनी स्विंग और तेज गेंदबाजी से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनाई थी।

मैदान पर टक्कर के बाद फुटबालर की मौत



मैड्रिड । स्पेनिश फुटबाल में एक दर्दनाक हादसे के बाद एफसी एंडोरा के गोलकीपर जीसस ओवोनो ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी है। उनके साथ मैदान पर हुई टक्कर के बाद टेनेरिफ के फारवर्ड जीसस डी मिगुएल की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद ओवोनो को सोशल मीडिया पर काफी आलोचना और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने उन्हें हत्यारा तक कह दिया, जिसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिया। अब ओवोनो ने कहा है कि यह उनकी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर है और उनका पूरा ध्यान दिवंगत खिलाड़ी के परिवार के दर्द पर है। यह घटना सोमवार को स्पेनिश फुटबाल के दूसरे डिवीजन में एफसी एंडोरा और टेनेरिफ के बीच खेले गए मुकाबले में हुई थी। मैच के इंजरी टाइम में दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थीं। इसी दौरान गोलकीपर ओवोनो और टेनेरिफ के फारवर्ड जीसस डी मिगुएल के बीच टक्कर हो गई।

भारतीय महिला हाकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्राफी में जीत के इरादे से उतरेगी

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम 19 नवंबर से होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्राफी (एसीटी) में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में तीन जीत हासिल की है। छह देशों का ये टूर्नामेंट 19 नवंबर से भोपाल में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ मैच से करेगी।



भारतीय टीम ने हाल ही में एशियाई खेलों में खिताब जीता था जिससे उसके हौंसले बुलंद है। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में भी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट राउंड-राबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ऐसे में भाग ले रही सभी छह टीमें इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी हालांकि भारतीय टीम को इस दौरार घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2016, 2023 और 2024 में एशियाई चैंपियंस ट्राफी जीती थी है। ऐसे में वह चौथी बार ये खिताब जीतना चाहेगी।भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद उसे 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से खेलना है।

आईटीएफ एमटी-700 मास्टर्स टेनिस : भावेश, कार्तिकेय, पृथ्वी, श्रीकांत, विकास और जुलियन एकल फाइनल में

इंदौर

इंदौर टेनिस क्लब में चल रहे अंतरराष्ट्रीय आईटीएफ एमटी-700 मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में एकल वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों के बाद चार आयु वर्गों के फाइनलिस्ट तय हो गए। स्थानीय खिलाड़ी भावेश गौर, कार्तिकेय सिंह वर्मा, पृथ्वी शेखर, श्रीकांत रमानी, विकास चौधरी, फ्रांस के जुलियन मिजोन, नरेंद्र सिंह चौधरी और स्वर्णदीप सिंह ने खिताबी मुकाबलों में जगह बनाई। पुरुष युगल के तीन आयु वर्गों और मिश्रित युगल के एक आयु वर्ग के फाइनल मुकाबले भी तय हो गए। 35 वर्ष पुरुष एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त भावेश गौर ने अपने ही प्रदेश के माधव पाटीदार को 6-2, 6-2 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त कार्तिकेय सिंह वर्मा से होगा। कार्तिकेय ने उलटफेर करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त गोविंद प्रसाद मौर्य को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

30 वर्ष पुरुष एकल में पृथ्वी शेखर और दूसरी वरीयता प्राप्त श्रीकांत रमानी के बीच खिताबी मुकाबला होगा। पृथ्वी ने तीसरी वरीयता प्राप्त जगन्मया पाणिग्रही को 6-2, 6-0 से हराया, जबकि श्रीकांत ने चौथी वरीयता प्राप्त विवेक गुलिया को 6-1, 6-0 से शिकस्त दी।



40 वर्ष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त विकास चौधरी ने दूसरी वरीयता प्राप्त मनोज सेवा को 6-0, 6-0 से हराकर उलटफेर किया। फाइनल में उनका सामना फ्रांस के शीर्ष वरीय जुलियन मिजोन से होगा। जुलियन ने तीसरी वरीयता प्राप्त आदित्य खन्ना को 6-2, 6-3 से पराजित किया। 45 वर्ष एकल के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त नरेंद्र सिंह चौधरी और दूसरी वरीयता प्राप्त स्वर्णदीप सिंह आमने-सामने होंगे। नरेंद्र ने जर्मनी के डेनियल को 6-1, 6-4 से, जबकि स्वर्णदीप ने तीसरी वरीयता प्राप्त रोशन भसीन को 6-2, 6-3 से हराया।

युगल में भी खिताबी मुकाबले तय - 30 वर्ष पुरुष युगल के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मधन पीवी कुमार और पृथ्वी शेखर की जोड़ी ने माधव पाटीदार और विशी पोरवाल को 6-0, 6-2 से हराया। फाइनल में उनका सामना जगन्मया पाणिग्रही और श्रीकांत रमानी की जोड़ी से होगा। पाणिग्रही और रमानी ने सुमेश नायर तथा व्योमेश राणा को 6-3, 6-1 से पराजित किया। 40 वर्ष पुरुष युगल का फाइनल भारत के आदित्य खन्ना और फ्रांस के जुलियन मिजोन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी तथा दूसरी वरीयता प्राप्त पुनार भसीन और रोहन भसीन की जोड़ी के बीच होगा। आदित्य और जुलियन ने प्रदीप प्रभाकर और बद्री विशाल को 6-0, 6-2 से, जबकि पुनार और रोहन ने आदित्य वाजपेयी और अर्जुन धूपर को 6-0, 6-1 से हराया। 45 वर्ष पुरुष युगल के सेमीफाइनल में एन. आनंद और एम. वाकनकर ने शीर्ष वरीयता प्राप्त निशांत गोयल और दिलीप मोहंती को 6-4, 6-1 से हराकर उलटफेर किया। दूसरे सेमीफाइनल में एस. डोडी और ए. खन्ना ने एन. चौधरी और एन. रूंगटा को कड़े मुकाबले में 4-6, 6-0, 10-6 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

मिश्रित युगल में भी कड़े मुकाबले - 35 वर्ष मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जया कांत और चेतन ठोकरे ने संजना रावल और ए. सौधातर को तीन सेट तक चले मुकाबले में 4-6, 6-0, 10-5 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त अक्षिता बसवराजू और फ्रांस के जुलियन मिजोन ने ममता साहू और सुदीप्ति साहू को 6-0, 6-0 से शिकस्त दी। दोनों विजेता जोड़ियां अब खिताब के लिए भिड़ेंगी।

धनतेरस : आरोग्य, धन और समृद्धि का पावन पर्व

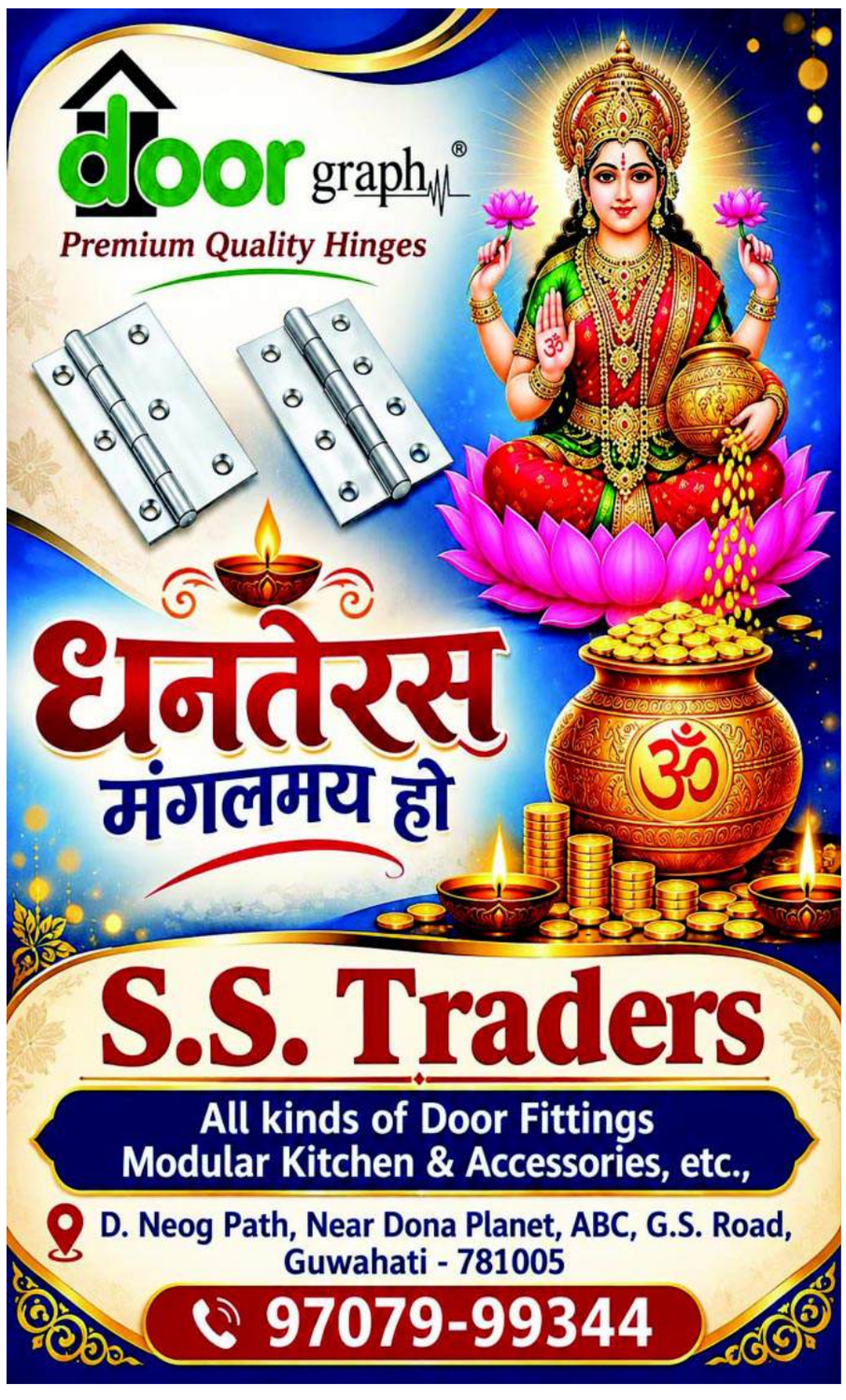
प्रतिवर्ष दीपावली से दो दिन पूर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में धनतेरस का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे केवल धन और वैभव की प्राप्ति का पर्व मानना उचित नहीं होगा बल्कि यह आरोग्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है। इस दिन विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा-अर्चना की जाती है। धनतेरस का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर समुद्र से प्रकट हुए थे। उन्हें भगवान विष्णु का अंशावतार तथा आयुर्वेद का प्रवर्तक माना जाता है। मान्यता है कि उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था, जो जीवन, स्वास्थ्य और अमरत्व का प्रतीक है। इसी कारण उन्हें देवताओं का वैद्य और आरोग्य का देवता कहा जाता है। समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत के माध्यम से देवताओं को अमरत्व प्राप्त हुआ था। भगवान धन्वंतरि के इसी दिव्य प्राकट्य की स्मृति में धनतेरस मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। भगवान धन्वंतरि का संबंध केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि उनका आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा परंपरा में भी विशेष स्थान है। आयुर्वेद को जीवन का विज्ञान माना गया है, जिसका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखते हुए दीर्घ एवं संतुलित जीवन प्रदान करना है। यही कारण है कि धनतेरस का दिन चिकित्सकों, वैद्यों और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा कर लोग परिवार के आरोग्य, निरोगी काया और दीर्घायु की कामना करते हैं। धनतेरस हमें यह संदेश भी देता है कि वास्तविक धन केवल सोना, चांदी और संपत्ति नहीं बल्कि अच्छा स्वास्थ्य, मानसिक शांति और संतोषपूर्ण जीवन है। इसलिए इस पर्व का मूल भाव धन के साथ आरोग्य और समृद्धि की मंगलकामना करना है। धनतेरस के पर्व पर भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ मृत्यु के देवता यमराज के पूजन तथा दीपदान का भी विशेष विधान है। इस दिन संध्याकाल में घर के मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा की ओर यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है, जिसे *यम दीपक* अथवा *यमदीपदान* कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि तथा मंगल बना रहता है। इस परंपरा के पीछे अत्यंत रोचक और भावुक पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, एक बार यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि प्राणियों के प्राण हरते समय क्या कभी ऐसा अवसर भी आया, जब किसी व्यक्ति के प्रति तुम्हारे मन में दया उत्पन्न हुई हो और तुम्हारा हृदय करुणा से भर उठा हो? यमराज का प्रश्न सुनकर यमदूतों ने उत्तर दिया कि वे तो केवल उनकी आज्ञा का पालन करने वाले सेवक हैं। उनका कार्य निर्धारित समय पर जीवों के प्राण लेना है इसलिए दया और मोह-माया का उनके कार्य में कोई स्थान नहीं है। हालांकि, यमराज द्वारा निर्भय होकर सच बताने का आश्वासन दिए जाने पर उन्होंने एक ऐसी घटना का उल्लेख किया, जिसने उन्हें भी भीतर तक विचलित कर दिया था। यमदूतों ने बताया कि एक बार हंस नाम का राजा शिकार के लिए जंगल में गया था। शिकार करते समय वह अपने साथियों से बिछुड़ कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने अतिथि धर्म का पालन करते हुए उसका खूब आदर-सत्कार किया। संयोगवश उसी दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक अत्यंत सुंदर पुत्र को जन्म दिया। राजपरिवार में खुशियां छा गई लेकिन ज्योतिषियों ने नवजात राजकुमार की कुंडली देखकर भविष्यवाणी की कि विवाह के ठीक चार दिन बाद उसकी मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा और रानी शोकाकुल हो उठे। उन्होंने अपने पुत्र को इस अनिष्ठ से बचाने के लिए उसे यमुना नदी के किनारे एक निर्जन गुफा में रखवा दिया। वहां उसके पालन-पोषण की राजसी व्यवस्था की गई और विशेष सावधानी बरती गई कि उस पर किसी युवती की छाया तक न पड़े। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। एक दिन संयोगवश राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर पहुंच गई। वहां उसकी दृष्टि राजकुमार पर पड़ी और दोनों एक-दूसरे को देखते ही मोहित हो गए। उनके बीच प्रेम उत्पन्न हुआ और उन्होंने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया। दुर्भाग्यवश, ज्योतिषियों की भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के चार दिन बाद ही राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने अपने जीवन में उस नवविवाहित जोड़े जैसा सुंदर और प्रेमपूर्ण युगल कभी नहीं देखा था। दोनों कामदेव और रति के समान प्रतीत होते थे। राजकुमार के प्राण हरने के बाद जब उसकी नवविवाहिता पत्नी ने विलाप करना शुरू किया तो उसका करुण क्रंदन सुनकर यमदूतों का हृदय भी द्रवित हो उठा। यह पूरा वृत्तांत सुनने के बाद यमराज ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ उनके निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय से रक्षा होती है। तभी से धनतेरस पर यमदीपदान की परंपरा प्रचलित होने की मान्यता है। इसी विश्वास के चलते लोग संध्याकाल



में घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाकर यमराज से परिवार के सभी सदस्यों की लंबी आयु और आरोग्य की प्रार्थना करते हैं। धनतेरस पर खरीदारी की भी विशेष परंपरा है। इस दिन पुराने और टूटे-फूटे बर्तनों के स्थान पर नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से तांबे, पीतल और चांदी के बर्तन खरीदने की परंपरा है। अनेक लोग सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और अन्य उपयोगी वस्तुएं भी खरीदते हैं। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं घर में सुख, सौभाग्य और समृद्धि लेकर आती हैं। कुछ परिवारों में नई झाड़ू खरीदकर उसका पूजन करने की भी परंपरा है। झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक मानते हुए इसे घर से दरिद्रता और नकारात्मकता दूर करने का माध्यम माना जाता है। हालांकि, धनतेरस का वास्तविक संदेश केवल अधिक खरीदारी करना नहीं बल्कि धन के सदुपयोग, स्वच्छता, स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का महत्व समझना है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी निरोगी शरीर, परिवार की खुशियां, मानसिक शांति और परिश्रम से अर्जित समृद्धि है। भगवान धन्वंतरि की आराधना और यमदीपदान के माध्यम से यह पर्व जीवन की रक्षा, दीर्घायु और मंगलमय भविष्य की कामना का अनुपम अवसर बन जाता है।









प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**